राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 252 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, बुधवार ,10 मार्च 2021, मूल्य रु. 1.50

शिक्षा जन आंदोलन बनेगा : केजरीवाल

नई दिल्ली, (संवाददाता)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार द्वारा पेश किए गए बजट पर बोलते हुए कहा कि दिल्ली में जब से हमारी सरकार बनी है तब से बजट सरप्लस में है। दिल्ली के बजट में घाटा नहीं हुआ है अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दिल्ली अकेला राज्य है, जहां सरकार घाटे का नहीं बल्कि सरप्लस में बजट पेश करती है। दिल्ली की प्रगति के लिए इस साल का ये बजट उन्नति की अपार संभावनाओं का बजट है। केजरीवाल ने कहा कि इस बजट में विजन दिया गया है कि 2048 का ओलंपिक खेल दिल्ली में होना चाहिए। 2048 के ओलंपिक खेलों के लिए दिल्ली आवेदन करेगी। इसके लिए जो भी इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य जरूरत की चीजें करनी होंगी हम करेंगे। उन्होंने कहा कि कोरोना की कठिन परिस्थितियों के बावजूद भी दिल्ली के लोगों ने टैक्स दिया, जिसकी वजह से सरकार अच्छे से चल रही है। इसके लिए मैं दिल्ली की जनता का धन्यवाद करता हूं। दिल्ली का बजट 65,000 करोड़ से बढ़कर 69,000 करोड़ हो गया है। सिसोदिया ने आज विधानसभा में अपने बजट भाषण में कहा कि दिल्ली सरकार का सपना दिल्ली में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना है। हमने इसके लिए अभी से तैयारी शुरू कर दी है ताकि भविष्य में दिल्ली को ओलंपिक खेलों की मेजबानी का अवसर मिल सके। दिल्ली सरकार ने आजादी की सौंवी वर्षगांठ पर 2048 में 39वें ओलंपिक खेल की मेजबानी करने का लक्ष्य बनाया है। कम से कम 10 खेल क्षेत्रो में अंतर्राष्ट्रीय मेडल विजेता तैयार करने का लक्ष्य होगा। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान आय के स्त्रोत कम हुए और खर्चे बढ़े, ऐसे मुश्किल समय में भी बेहतरीन बजट पेश किया गया। मैं खुश हूं कि दिल्ली का 69,000 करोड़ रुपये का बजट पिछले साल से करीब छह प्रतिशत अधिक है। आप के सत्ता में आने के बाद से दिल्ली को अतिरिक्त बजट मिला। उन्होंने कहा कि दिल्ली में व्यापक स्तर पर योग अभियान चलाएंगे, निशुल्क योग प्रशिक्षण मुहैया कराएंगे। केजरीवाल ने पेट्रोल-डीजल की कीमत घटाने को लेकर कहा कि राज्य के टैक्स बहुत कम हैं, हमारे संसाधन सीमित हैं। केन्द्र को इस दिशा में कदम उठाना चाहिए। गौरतलब है कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने मंगलवार को वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए देशभक्ति पर आधारित 69,000 करोड़ रुपये का प्रस्तावित बजट पेश किया। बजट पेश करते हुए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप सरकार ने देश का 75वां स्वतंत्रता दिवस मनाने का फैसला किया है और इसके लिए सरकार 12 मार्च से 75 सप्ताह तक कार्यक्रम आयोजित करेगी। प्रस्ताव किया है। सिसोदिया ने यह भी कहा कि दिल्ली के बच्चों को कट्टर देशभक्त बनाने के लिए राजधानी के स्कूलों में देशभक्ति का पीरियड भी होगा। बजट में शिक्षा के लिए 16,377 करोड़ रुपये आवंटन किया गया है। उन्होंने कहा कि आप सरकार 2047 तक दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय को सिंगापुर के स्तर तक बढ़ाना चाहती है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 75 सप्ताह के देशभक्ति समारोह के दौरान भगत सिंह की जीवन पर आधारित कार्यक्रमों के लिए 10 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की जाएगी। उन्होंने बताया कि बजट का कुल परिव्यय वित्त वर्ष 2020-21 के लिए प्रस्तुत बजट से 6.1 प्रतिशत अधिक है। इसके साथ ही दिल्ली के वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने ऐलान किया कि मैं 2021-22 के लिए दिल्ली के स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 9,934 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान करता हूं जो कुल बजट का 14% है। दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि दिल्ली के लोगों को सरकारी अस्पतालों में कोरोना वैक्सीन मुफ्त में लगाई जाएगी।

हड़ताल कल्चर से बरसों पीछे हुआ त्रिपुरा : मोदी

नई दिल्ली, (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और बांग्लादेश के बीच मैत्री सेतु का उद्घाटन किया। इसके साथ साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए त्रिपुरा के लिए 9 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि आज से तीन वर्ष से पहले आप लोगों ने एक नया इतिहास रचा था और पूरे देश को मजबूत संदेश दिया था। दशकों से राज्य के विकास को रोकने वाली नकारात्मक शक्तियों को हटाकर त्रिपुरा के लोगों ने एक नई शुरूआत की थी। 2017 में आपने त्रिपुरा में विकास का डबल इंजन लगाने का फैसला किया। इस डबल इंजन के फैसले के परिणाम आज आपके सामने है। आज त्रिपुरा पुरानी सरकार के 30 साल और डबल इंजन की 3 साल की सरकार में आए बदलाव को स्पष्ट अनुभव कर रहा है।

मोदी ने दावा किया कि जिस त्रिपुरा को हड़ताल कल्चर ने बरसों पीछे कर दिया था, आज वो ईज आफ डूइंग बिजनेस के लिए काम कर रहा है। जहां कभी उद्योगों में ताले लगने की नौबत आ गई थी, वहां अब नए उद्योगों, नए निवेश के लिए जगह बन रही है। बीते 6 साल में त्रिपुरा को केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि में बड़ी वृद्धि की गई है। वर्ष 2009 से 2014 के बीच केंद्र सरकार से त्रिपुरा को केंद्रीय विकास परियोजनाओं के लिए 3500 करोड़ रुपए की मदद मिली थी। जबकि साल 2014 से 19 के बीच 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक की मदद दी गई है। त्रिपुरा का ट्रेड वैल्यूम तो बढ़ा ही है साथ ही राज्य से होने वाले निर्यात भी करीब-करीब पांच गुना तक बढ़ गया है। त्रिपुरा के विकास के लिए केंद्र सरकार ने हर आवश्यकता का ध्यान रखा है। मोदी ने दावा किया कि जहां डबल इंजन की सरकार नहीं है, आपके पड़ोस में ही, गरीबों, किसानों, बेटियों को सशक्त करने वाली योजनाएं या तो लागू ही नहीं की गई, या बहुत धीमी गति से चल रही है। डबल इंजन सरकार का सबसे बड़ा असर गरीबों को पक्के घर देने में दिख रहा है। 2017 से पहले त्रिपुरा के 5.80 लाख घरों में गैस कनेक्शन था। आज राज्य के 8.50 लाख घरों में गैस कनेक्शन है। डबल इंजन की सरकार बनने से पहले त्रिपुरा में सिर्फ 50 फीसदी गांव खुले में शौच से मुक्त थे। आज त्रिपुरा का करीब-करीब हर गांव खुले में शौच से मुक्त है।

8 फेज में बंगाल चुनाव कराने का ईसी का फैसला रहेगा यथावत

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने पश्चिम बंगाल में आठ फेज में विधानसभा चुनाव कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। प्रधान न्यायाधीश एसए बोबडे, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यन की पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद याचिका खारिज की। याचिका में यह भी अनुरोध किया गया था कि भारतीय जनता पार्टी और उसके नेताओं को राज्य में चुनाव प्रचार मुहिम के दौरान जय श्री राम जैसे नारों का इस्तेमाल करने से रोका जाए। पीठ ने शुरूआत में याचिकाकर्ता एवं वकील एम एल शर्मा से कहा कि वह कलकत्ता उच्च न्यायालय के पास जाएं। शर्मा ने पीठ से कहा, मैंने एक फैसले को आधार बनाया है। यह चुनाव संबंधी याचिका नहीं है। एक दल धार्मिक नारों का इस्तेमाल कर रहा है। मुझे उच्च न्यायालय क्यों जाना चाहिए जब याचिकाकर्ता ने मामले की सुनवाई बुधवार को करने का अनुरोध किया तो पीठ ने कहा, ठीक है, हम आपसे सहमत नहीं है।

इस्तीफा क्यों दिया, जानने के लिए दिल्ली जाना पड़ेगा : त्रिवेंद्र सिंह रावत

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने पद से इस्तीफा दे दिया है। रावत ने अपना इस्तीफा राज्यपाल बेबी रानी मौर्या को सौंपा है। इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं लंबे समय से राजनीति में काम कर रहा हूं। आरएसएस में प्रचारक के तौर पर काम किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के संगठन महामंत्री के नाते, लगभग चार वर्ष से पार्टी ने मुझे देवभूमि में सेवा करने का मौका दिया। यह मेरा परम सौभाग्य रहा है या कहूं यह स्वर्णिम अवसर था। एक छोटे से गांव में जहां आज भी 7-8 परिवार रहते हैं। उस गांव में मैंने सैनिक के परिवार में जन्म लिया। मेरे पिताजी पूर्व सैनिक थे। कभी कल्पना भी नहीं की थी कि पार्टी इतना बड़ा सम्मान देगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा में ही यह संभव था कि एक छोटे से गांव के कार्यकर्ता को इतना बड़ा सम्मान मिला और चार मुझे सेवा करने का मौका दिया। पार्टी ने विचार किया और संयुक्त रूप से यह निर्णय लिया कि मुझे अब किसी और को मौका देना चाहिए। चार वर्ष में 9 दिन शेष हैं और इतना मौका मुझे पार्टी ने दिया है। इस दौरान उन्होंने बताया कि पार्टी मुख्यालय में बुधवार सुबह 10 बजे विधानमंडल की बैठक होगी। मीडियाकर्मियों ने त्रिवेंद्र से पूछा कि इस्तीफा देने के पीछे का कारण क्या है,तब उन्होंने जवाब दिया कि कारण जानने के लिए आपको दिल्ली जाना पड़ेगा।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार में मंत्री धन सिंह रावत, त्रिवेंद्र सिंह रावत के मजबूत विकल्प के रूप में उभरे हैं। उत्तराखंड से सांसद अजय भट्ट और अनिल बलूनी को भी मुख्यमंत्री पद के मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। त्रिवेंद्र सिंह रावत ने सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात की थी। जिसे शिष्टाचार मुलाकात का नाम दिया जा रहा था लेकिन फिर मंगलवार की शाम 4 बजे रावत राजभवन पहुंचे। जहां पर उन्होंने राज्यपाल बेबी रानी मौर्या को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

सीपीएम, कांग्रेस और भाजपा एक है, यह नहीं भूलना : ममता

नंदीग्राम, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नंदीग्राम में जनसभा को संबोधित कर कहा कि नंदीग्राम से सीट खाली हुई थी इसकारण मैं यहां आई हूं। मैं हर नाम भूल सकती हूं, लेकिन नंदीग्राम का नाम नहीं भूल सकती। उन्होंने कहा कि नंदीग्राम में जब आंदोलन चल रहा था उस वक्त मेरे घर में काली पूजा हो रही थी। मैं उस समय अपने घर वापस नहीं आ पाई थी। क्योंकि उस वक्त मेरे साथियों ने फोन करके बताया था कि किस तरह से नंदीग्राम में गोली चल रही थी। तब मेरे जहन में यहीं चल रहा था कि मैं किस तरह से लोगों को बचाऊं। आप लोगों को याद होगा कि किस तरह से 14 मार्च को यहां पर गोलियां चली थी।

दादी ने कहा कि उस वक्त मेरी तबीयत ठीक नहीं थी। सिंगूर के अनशन के बाद मैं अस्पताल में थी फिर भी यहां पर आई। मुझे रोकने के लिए पेट्रोल बम भी फोड़े गए थे। उस वक्त मुझे कितनी तकलीफ हुई थी, इसकी आपको जानकारी है। उस दिन रास्ते में कोई नहीं था। उस दिन रास्ते में मैं अकेले थी और मैंने ठान लिया था कि मुझे नंदीग्राम पहुंचना है। ममता ने कहा कि बंगाल के राज्यपाल गोपाल कृष्ण गांधी ने रात के दो बजे मुझे फोन करके कहा था कि आप रात में नंदीग्राम जाने की कोशिश नहीं करिए। क्योंकि आपकी जान को खतरा हो सकता है। उस वक्त हमने फैसला लिया था कि हम सोलाघाट से जाएंगे, लेकिन हर एक रास्त बंद था। आप लोगों को याद है कि मैं किस तरह से नंदीग्राम पहुंची थी।

आप लोगों को याद होगा कि पैदल चलकर, दोपहिए का इस्तेमाल करके तामलुक अस्पताल पहुंची थी। लेकिन सीपीएम को यह समझ में नहीं आया था कि मैं कैसे तामलुक पहुंची हूं। फिर मैं तामलुक से चंद्रपुर गई। वहां पर मुझे गाली दी गई थी। इतना ही नहीं चंद्रपुर में मीडिया को भी रोक दिया गया था।

उन्होंने कहा कि आप लोगों ने जिस तरह से अत्याचारों के खिलाफ खड़े हुए हैं। इसलिए मैं कह सकती हूं कि अपना नाम भूल सकती हूं, लेकिन नंदीग्राम को नहीं। तृणमूल प्रमुख ने भावुक अपील करते हुए कहा कि अगर आप लोग कहते हैं, तब मैं नामांकन दाखिल नहीं करूंगी, लेकिन आपको लगता है कि मैं आपकी ही बेटी हूं, आपके आंदोलन के साथ हूं तब जाकर मैं नामांकन दाखिल करूंगी। मैं आप लोगों से जानना चाहती हूं। कुछ लोग कहते हैं कि मैं बाहर से हूं। मैं बंगाल की बेटी हूं लेकिन जो लोग यह कह रहे हैं,वहां राजस्थान से, दिल्ली से आ रहे हैं क्या वह बाहरी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सीपीएम, कांग्रेस और भाजपा एक है। यह आपको नहीं भूलना है।

अमेरिका से कच्चा माल मिलने में हो रही परेशानी, सीरम ने केंद्र को पत्र लिखा

पुणे, (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी टीका निमार्ता कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने अमेरिका से कोविड टीके के कच्चे माल के आयात को लेकर केंद्र सरकार को इसमें हस्तक्षेप का अपील की है। एसआईआई ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखकर कोविड टीके के कच्चे माल के आयात पर आ रही मुश्किलों के बारे में बताया और मदद की अपील की है। वाणिज्य सचिव अनूप वधावन और विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला को पुणे स्थित एसआईआई में सरकार और नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने लिखे एक पत्र में कहा कि अमेरिकी सरकार ने रक्षा उत्पादन अधिनियम लागू किया है, जिसके कारण कंपनी को आवश्यक उत्पाद जैसे कच्चा माल, एकल उपयोग ट्यूबिंग असेंबली और विशेष रसायन अमेरिका से आयात करने में मुश्किलें हो रही हैं।

प्रकाश कुमार ने पत्र में कहा कि एसआईआई द्वारा निर्मित कोविशील्ड टीका भारत और दुनियाभर में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जा रहा है और लाखों लोगों को इसका टीका लगाया गया है। सिंह ने कहा कि सीरम संस्थान विभिन्न संस्थानों जैसे नोवावैक्स (अमेरिका), कोडेगेनिक्स (अमेरिका) आदि के साथ तकनीकी सहयोग से कई अन्य कोविड-19 टीके की परियोजनाओं पर काम कर रही है, जिसके लिए वह कई आवश्यक उत्पादों जैसे कच्चे माल, सामग्री का विभिन्न विदेशी निमार्ताओं, विशेष रूप से अमेरिका से आयात पर निर्भर है। उन्होंने पत्र में कहा कि रक्षा उत्पादन अधिनियम के माध्यम से अमेरिकी सरकार ने दो प्राथमिकता प्रणालियों, रक्षा प्राथमिकताओं और आवंटन प्रणाली कार्यक्रम (डीपीएएस) और स्वास्थ्य संसाधन प्राथमिकता और आवंटन प्रणाली (एचआरपीएएस) की स्थापना की है।

एचआरपीएएस के दो प्रमुख घटक (प्राथमिकताएं और आवंटन) हैं। प्राथमिकता घटक के तहत टीके के उत्पादन के लिए आवश्यक औद्योगिक संसाधनों के उत्पादन या वितरण के लिए सरकारी और निजी इकाइयों के बीच या निजी पक्षों के बीच कुछ अनुबंधों को अन्य अनुबंधों पर प्राथमिकता दी जाएगी। सिंह ने कहा इसका मतलब है कि अगर अमेरिकी निमार्ताओं के आर्डर को उपरोक्त प्रणाली के तहत प्राथमिकता दी जाती है, तो उन्हें अन्य देशों के निमार्ताओं के आर्डर पर वरीयता मिलेगी। सिंह ने 6 मार्च को लिखे पत्र में कहा कि पूरी दुनिया महामारी को खत्म करने के लिए एक निर्बाध गति से बड़े पैमाने पर कोविड-19 टीके के निर्माण पर निर्भर है। लेकिन अगर हमें अमेरिका से इन आवश्यक उत्पादों की समय पर आपूर्ति नहीं मिली तो यह एक गंभीर सीमित कारक होने वाला है, जिसके परिणामस्वरूप कोविड-19 टीकों की तीव्र कमी होगी क्योंकि इनका निर्माण इन कच्चे माल, सामग्रियों और घटकों आदि की निर्बाध आपूर्ति पर निर्भर करता है।

कार्टून

ज्योतिरादित्य का राहुल पर पलटवार

'काश इतनी चिंता तब होती, जब मैं कांग्रेस में था'

भोपाल, (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के बीजेपी सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया पर दिए बयान पर पलटवार किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा था कि बीजेपी में ज्योतिरादित्य सिंधिया बैकबेंचर हैं। इसे लेकर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी को जवाब दिया है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा है कि काश राहुल गांधी इतनी चिंता तब करते, जब मैं कांग्रेस में था। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने राहुल गांधी को जवाब देते हुए कहा कि इतनी चिंता राहुल जी को अब है, काश उतनी चिंता तब होती, जब मैं कांग्रेस में होता। इससे ज्यादा मुझे कुछ नहीं कहना है। उसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया आगे निकल गए। दरअसल, कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 11 मार्च 2020 को बीजेपी की सदस्यता ग्रहण कर ली थी। उसके बाद एमपी कांग्रेस के 22 विधायकों ने भी इस्तीफा दे दिया था और कमलनाथ की सरकार गिर गई थी। एक साल बाद राहुल गांधी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया का नाम लेकर ताना मारा है। उसके बाद सिंधिया ने भी प्रतिक्रिया दी है। वहीं, राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी ने भी पलटवार किया है। एमपी के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने राहुल गांधी से मांग की है कि वह राजस्थान में सचिन पायलट को सीएम बना दें। साथ ही ट्विटर पर भी सचिन पायलट को सीएम बनाने की मांग ट्रेंड कर रहा है। बीजेपी ने कहा है कि विधानसभा चुनावों में कांग्रेस दूल्हा कोई और दिखाया, लेकिन शादी किसी और से करा दी थी।

इजराइल में 55फीसदी आबादी को टीका लगा

वैक्सीन लगवाने वालों को ग्रीन पासपोर्ट दिया जा रहा, इसी के साथ सार्वजनिक स्थलों पर जाने की अनुमति मिलेगी

ब्राजील। इजराइल अपनी 55फीसदी आबादी को कोरोना वैक्सीन लगा चुका है।

देश के जिन इलाकों में टीकाकरण अभियान पूरा हो चुका है, रविवार से वहां से पाबंदियां हटने लगी हैं। रेस्तरां, थियेटर, स्टेडियम, इवेंट हॉल और बाजार खुलने शुरू हो गए हैं। इजरायल सरकार ने बताया कि टीकाकरण कराने वाले लोगों को 'ग्रीन पासपोर्ट' दिए जा रहे हैं।

ग्रीन पासपोर्ट के साथ ही सार्वजनिक स्थलों पर जा सकेंगे

इसे लेकर वे थियेटर और रेस्तरां समेत सार्वजनिक स्थलों पर जा सकेंगे। जबकि जिन लोगों को टीका नहीं लगाया गया है वे कुछ सीमाओं के साथ बाहर बैठ सकते हैं। सांस्कृतिक, खेल और सार्वजनिक कार्यक्रमों में सीमित संख्या में लोगों के शामिल होने अनुमति होगी। इजराइल के नागरिकों और स्थायी निवासियों को अब देश में प्रवेश करने की अनुमति होगी।

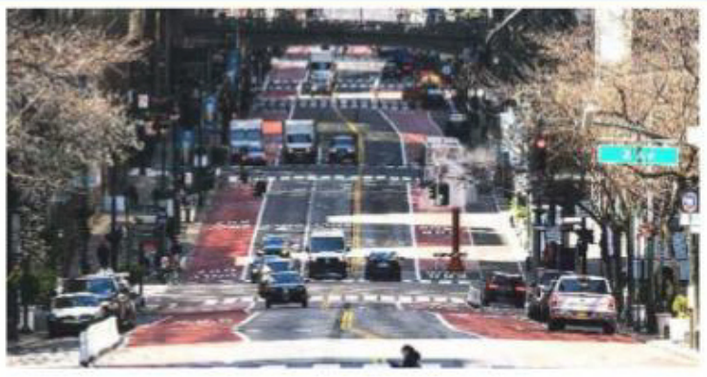

मार्च तक इसके पूरा हो सकता है वैक्सीनेशन

यह संख्या प्रतिदिन 3 हजार से अधिक नहीं होगी। वापस लौटने वाले लोगों में घर में फिर से आइसोलेशन में रहना होगा। देश में पाबंदियां हटने पर प्रधानमंत्री बेन्जामिन नेतन्याहू ने कहा- 'यह एक बड़ा दिन है।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 90.5 लाख की आबादी वाले इजरायल में पिछले साल दिसंबर से टीकाकरण अभियान शुरू किया गया है और मार्च तक इसके पूरा होने के आसार हैं।

स्विट्जरलैंड में बुर्का बैन करने की तैयारी

51फीसदी लोगों ने बुर्का बैन करने के पक्ष में वोट दिए, कानून बना तो महिलाएं सार्वजनिक जगहों पर पूरी तरह चेहरा नहीं ढंक सकेंगी

स्विट्जरलैंड। स्विट्जरलैंड में बुर्का पहनने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। हुए जनमत संग्रह में यहां के 51.21फीसदी लोगों ने बुर्के पर रोक लगाने के पक्ष में वोट दिए। माना जा रहा है कि यहां अब इस पर कानून बनाया जा सकता है। करीब एक महीने पहले यह प्रस्ताव लाया गया था। इसका लोगों ने विरोध किया तो सरकार ने जनमत संग्रह कराने का फैसला किया। इस पर कानून बना तो यहां महिलाएं सार्वजनिक जगहों पर पूरी तरह से मुंह ढंककर नहीं निकल सकेंगी।

स्विस पीपुल्स पार्टी समेत अन्य समूहों ने अपने प्रस्ताव में कहीं भी इस्लाम का जिक्र नहीं किया था। इसके बावजूद यहां की मीडिया में इस प्रस्ताव को बुर्का बैन कहा गया और इसे इस्लाम के खिलाफ माना गया। स्विट्जरलैंड की आबादी करीब 86 लाख है। इसमें 5.2फीसदी मुस्लिम हैं।

धार्मिक स्थानों पर छूट रहेगी

खबर के मुताबिक, स्विट्जरलैंड में सार्वजनिक जगहों जैसे पब्लिक ऑफिस, पब्लिक

ट्रांसपोर्ट, रेस्ट्रां, दुकान और अन्य जगहों पर महिलाएं अपना चेहरा पूरी तरह से नहीं ढंक सकेंगी। हालांकि, पूजा करने के स्थान और अन्य धार्मिक स्थानों पर इसकी छूट रहेगी।

सुरक्षा कारणों से लिया गया फैसला

बीमारी की रोकथाम और सुरक्षा कारणों के चलते भी महिलाएं बुर्का पहन सकेंगी और कॉर्निवल जैसी जगहों में भी महिलाओं को ऐसा करने की इजाजत होगी, जहां मुंह ढंकने का रिवाज सालों से चला आ रहा है। स्विट्जरलैंड की सरकार के प्रपोजल में विदेश से आने वाले टूरिस्ट और अन्य लोगों को भी कोई छूट नहीं दी गई है।

यहां बुर्का कोई नहीं पहनता, 30फीसदी महिलाएं नकाब पहनती हैं

इस साल की शुरुआत में लूसर्न यूनिवर्सिटी के सर्वे में दावा किया था कि स्विट्जरलैंड में महिलाएं बुर्का नहीं पहनतीं। हालांकि, 30फीसदी महिलाएं सार्वजनिक स्थानों पर जाने के दौरान नकाब या हिजाब से चेहरा ढंकती हैं।

बुर्का में पूरे शरीर को ढंका जाता है, जबकि नकाब या हिजाब से सिर्फ चेहरा ढंका जाता है।

इन देशों में चेहरा ढंकने पर पहले से रोक

फ्रांस ने 2011 में चेहरे को पूरी तरह से ढंकने पर बैन लगा दिया था। डेनमार्क, ऑस्ट्रिया, नीदरलैंड और बुलगारिया में भी सार्वजनिक जगहों पर बुर्का पहनने पर रोक है।

गुयाना में बड़ा हादसा: मिलिट्री बेस में एक के बाद एक कई धमाके, 17 की मौत, 400 से ज्यादा घायल

गुयाना। पश्चिमी अफ्रीकी देश गुयाना के बाटा शहर में एक मिलिट्री बेस में लगातार एक के बाद एक हुए विस्फोट से पूरा शहर दहल गया। घटना में अब तक 17 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अंग्रेजी वेबसाइट अलजजीरा के मुताबिक, राष्ट्रपति टेओडोरो ओबियांग ने मिलिट्री बेस में डायनामाइट के लापरवाहीपूर्वक उपयोग को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया है।420 लोगों के घायल होने की खबर

शुरुआती जानकारी में 15 लोगों की मौत और 500 से ज्यादा लोगों के घायल होने की बात सामने आई थी, पर बाद में 17 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और 420 लोगों के घायल होने की बात कही जा रही है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक, घटनास्थल से कई लोग लाशों को ले जाते देखे गए हैं। इनमें से कई शव चादरों में लिपटे हुए थे। मामले में अभी तक पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है।

ड्रैगन का शांति राग: चीनी विदेश मंत्री बोले- दोस्त हैं भारत और चीन, एक दूसरे के लिए खतरा नहीं; सीमा विवाद विरासत में मिला

बीजिंग। लद्दाख के पैंगॉन्ग से सेना के डिसएंगेजमेंट के बाद चीन के तेवर नरम पड़ते दिख रहे हैं। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि भारत और चीन एक-दूसरे के लिए खतरा नहीं, बल्कि दोस्त हैं। दोनों देश एक-दूसरे की अनदेखी नहीं कर सकते, इसलिए हमें नुकसान पहुंचाने वाले काम रोकने चाहिए। उन्होंने साफ किया कि सीमा विवाद हमें विरासत में मिला है, लेकिन यह दोनों देशों के संबंधों की पूरी कहानी नहीं है। अहम यह है कि दोनों देश विवादों को सही तरीके से सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही आपसी संबंधों के विकास के लिए भी काम कर रहे हैं। डिसएंगेजमेंट के बाद यह वांग यी की भारत-चीन रिश्तों पर पहली टिप्पणी है। उन्होंने कहा कि चीन और भारत दोस्त और सहयोगी हैं, लेकिन उनके बीच कुछ मसलों पर संदेह की स्थिति है। इस स्थिति से उबरकर दोनों देशों को देखना है कि वे अपने संबंधों को किस तरह से आगे बढ़ा सकते हैं और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बना सकते हैं।

डिसएंगेजमेंट पर कुछ नहीं बोले वांग

हालांकि, उन्होंने दोनों देशों के बीच 10 दौर की सैन्य स्तर की बातचीत के बाद पूर्वी लद्दाख में पैंगॉन्ग झील के उत्तरी और दक्षिणी तटों से सैनिकों के पीछे हटने पर कुछ नहीं कहा। दोनों देशों की सेनाओं ने पूर्वी लद्दाख में कई महीने तक जारी गतिरोध के बाद उत्तरी और दक्षिणी पैंगॉन्ग क्षेत्र से अपने सैनिकों और हथियारों को हटा लिया था। हालांकि, कुछ पॉइंट्स पर अभी विवाद बना हुआ है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने पिछले सप्ताह करीब 75 मिनट तक टेलीफोन पर बात की थी। जयशंकर ने वांग से कहा था कि द्विपक्षीय संबंधों के विकास के लिए सीमा पर शांति और स्थिरता जरूरी है। जयशंकर ने कहा था कि गतिरोध वाली सभी जगहों सेसैन्किों को हटाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों पक्ष क्षेत्र से सैनिकों की पूरी तरह वापसी और अमन-चैन बहाली की दिशा में काम कर सकते हैं।

ब्रिटेन के स्मारक में लगेगी फ्लाइंग सिख की प्रतिमा, पहले पगड़ी वाले पायलट थे हरदित सिंह मलिक

लंदन। इंग्लैंड के बंदरगाह शहर साउथंपटन में विश्व युद्धों में लड़ने वाले सभी भारतीयों की याद में बनाए जा रहे नए स्मारक में लड़ाकू विमान के सिख पायलट हरदित सिंह मलिक की लगाई जाने वाली मूर्ति के डिजाइन को मंजूरी दे दी गई है। मलिक को सिख फाइटर पायलट, क्रिकेटर और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के गोल्फर के तौर पर जाना जाता था।

हरदित सिंह मलिक पहली बार 1908 में 14 साल की उम्र में आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के बैलिओल कालेज पहुंचे थे और प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान रायल फ्लाइंग कोर के सदस्य बने। वह पहले भारतीय और विशेष हेलमेट के साथ पगड़ी वाले पायलट थे। वह 'फ्लाइंग सिख' के रूप में प्रसिद्ध हुए थे।

स्मारक के लिए अभियान चलाने के पीछे वन कम्युनिटी हैंपशायर एंड डोरसेट (ओसीएचडी) है। पिछले वर्ष साउथंपटन सिटी कार्उंसिल द्वारा इसे मंजूरी दी गई थी। ओसीएचडी ने कहा, 'प्रथम विश्व युद्ध के नायक, हरदित सिंह मलिक की प्रतिमा, प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटिश सशस्त्र बलों में पूरे सिख समुदाय के योगदान का प्रतीक होगी।'मलिक ने ससेक्स के लिए क्रिकेट भी खेला और भारतीय सिविल सेवा में शामिल रहने के बाद फ्रांस में भारत के राजदूत भी रहे। हालांकि उन्हें 1917-19 के दौरान लड़ाकू विमान के एक पायलट के रूप में जाना जाता है। यह स्मारक ब्रिटिश मूर्तिकार ल्यूक पेरी तैयार करेंगे, जो 'लायंस आफ द ग्रेट वार' जैसे अन्य स्मारकों से भी जुड़े रहे हैं। ब्रिटिश सिख एसोसिएशन के अध्यक्ष का कहना है कि मैं स्मारक की असाधारण डिजाइन और सुंदरता से अभिभूत हूं, जो इस महान लड़ाकू पायलट हरदित सिंह मलिक की याद दिलाएगा।

बलूचिस्तान में नौसेना के वाहनों पर ताबड़तोड़ गोलीबारी, दो जवानों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने नौसेना के वाहनों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाकर हमला बोल दिया। हमले में नौसेना के दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई, उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना बलूचिस्तान के संवेदनशील ग्वादर में हुई, जहां चीन की परियोजना चल रही है और यहां रणनीतिक रूप से चीन वाणिज्यिक हितों के साथ मिलिट्री बेस भी बनाने में लगा हुआ है। पाकिस्तानी नौसेना अधिकारी के अनुसार नौसेना के वाहन ग्वादर के गंज क्षेत्र से गुजर रहे थे, उसी समय हमलावरों ने घात लगाकर हमला बोल दिया और स्वचालित हथियार से अंधाधुंध गोली चला दी। नौसेना के दो सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई। तीसरे की हालत गंभीर है। जिसे कराची इलाज के लिए भेजा गया है। सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया। बलूचिस्तान में पहला हमला नहीं है, इससे पहले कई हमले हो चुके हैं। हाल ही में बम धमाके में पांच मजदूरों की हत्या कर दी गई थी। घटना में दो सुरक्षाकर्मी सहित पांच लोग घायल हुए थे। ज्ञात हो कि बलूचिस्तान का तटीय इलाके वाला ग्वादर गहरे समुद्र वाला बंदरगाह है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीइसी) का यह क्षेत्र केंद्र है। पिछले दिनों यहां पर चीन ने तीस किमी के क्षेत्र में फेंसिंग की थी, जिससे बलूचिस्तान के लोग नाराज हैं और उसका विरोध कर रहे हैं। यहां पर चीन फेंसिंग लगाकर उसे मिलिट्री बेस के रूप में विकसित करने की योजना बनाए हुए है।

पाकिस्तान के खैबरपख्तूख्वा प्रांत में उत्तर वजीरिस्तान के दो अलग-अलग स्थानों पर सेना के ऑपरेशन में आठ आतंकी मारे गए। सेना के सूत्रों के अनुसार मरने वाले आतंकी तहरीक ए तालिबान ग्रुप के हैं। ये सभी सुरक्षा बलों के खिलाफ घटनाओं को अंजाम दे रहे थे।

फ्रांस में हेलिकॉप्टर क्रैश: राफेल बनाने वाली कंपनी दसॉ के मालिक ओलिवियर दसॉ की मौत; छुट्टियां मनाने गए थे

पेरिस। फ्रांस के अरबपति कारोबारी ओलिवियर दसॉ की एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई। दसॉ की मौत पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शोक जताया है। इनकी कंपनी राफेल फाइटर प्लेन भी बनाती है। दसॉ फ्रांस की संसद के सदस्य भी थे। फ्रांसीसी उद्योगपति सर्ज दसॉ के सबसे बड़े बेटे और दसॉ के संस्थापक मार्केल दसॉ के पोते ओलिवियर दसॉ की उम्र 69 साल थी। हालांकि राजनीतिक कारणों और हितों के टकराव से बचने के लिए उन्होंने दसॉ बोर्ड से अपना नाम वापस ले लिया था।

सांसद चुने गए थे दसॉ

वे फ्रांस की नेशनल एसेंबली के लिए 2002 में चुने गए थे और फ्रांस के ओइस एरिया का प्रतिनिधित्व करते थे। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद दसॉ की संपत्ति करीब 7.3 अरब अमेरिकी डॉलर है। रिपोर्ट के मुताबिक, ओलिवियर के अलावा इस दुर्घटना में पायलटर भी मारा गया है।

राष्ट्रपति मैक्रों ने जताया शोक

दसॉ के निधन पर प्रेजिडेंट मैक्रों ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'ओलिवियर फ्रांस से प्यार करते थे। उन्होंने उद्योग, नेता, वायु सेना के कमांडर के तौर पर देश की सेवा की। उनका आकस्मिक निधन एक बहुत बड़ी क्षति है। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना।'

रंगभेद करता है ब्रिटिश शाही परिवार: प्रिंस हैरी की पत्नी मेगल मर्केल का बड़ा आरोप- मेरे बेटे के रंग से शाही परिवार को थी दिक्कत

लंदन। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने एक टीवी इंटरव्यू में बड़े खुलासे किए। मशहूर टीवी पर्सनैलिटी ओपरा विनफ्रे को दिए इंटरव्यू में मेगन ने बताया कि शाही परिवार उनके बेटे आर्ची को प्रिंस नहीं बनाना चाहता था, क्योंकि उसके जन्म से पहले उन्हें डर था कि कहीं उसका रंग ब्लैक ना हो। आर्ची के जन्म से पहले शाही परिवार ने प्रिंस हैरी से इस बारे में चर्चा की थी, जो उनके लिए काफी दर्दनाक था। हालांकि, मेगन ने इंटरव्यू में उस शख्स का नाम नहीं बताया, जिसने इस बात का डर जताया था।

रॉयल परिवार में जिंदगी काफी अकेली थी : मेगन

मेगन ने खुलासा किया कि शाही परिवार से जुड़ने के बाद उनकी आजादी काफी कम हो गई थी। रॉयल परिवार में जिंदगी काफी अकेली थी। उन्हें दोस्तों के साथ लंच पर जाने की भी इजाजत नहीं थी, क्योंकि उन्हें मीडिया में काफी ज्यादा कवर किया जाता था। उन्होंने बताया कि एक वक्त ऐसा भी आया था जब मैं पूरी तरह से टूट गई थी। मैं जीना नहीं चाहती थीं और मुझे सुसाइड के ख्याल भी आते थे।

केट मिडलटन का भी जिक्र किया

उन्होंने बताया कि प्रिंस हैरी के साथ शादी से पहले केट मिडलटन ने उन्हें रुला दिया था। केट प्रिंस विलियम्स की पत्नी हैं। मेगन के

मुताबिक, हैरी और उनकी शादी से पहले केट किसी चीज को लेकर खफा थीं, जो शादी में इस्तेमाल होने वाली थी। उस वक्त हालात काफी बुरे हो गए थे।

प्रिंस हैरी बोले- मुझे मेगन पर गर्व

इंटरव्यू के दौरान प्रिंस हैरी ने भी कहा कि उन्हें अपने आप और अपनी पत्नी पर गर्व है, क्योंकि जब वह प्रेगनेंट थी, उस वक्त वो काफी बुरे दौर से गुजरीं। इंटरव्यू में मेगन ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी गलती यही थी कि उन्होंने शाही परिवार पर विश्वास किया। शाही परिवार ने वादा किया था कि उन्हें हमेशा सुरक्षित रखा जाएगा, लेकिन ऐसा कभी नहीं हो सका। इतना ही नहीं, हैरी ने कहा कि अगर प्रिंसेस डायना आज होतीं, तो शाही परिवार में जो हुआ उससे काफी खफा होतीं।

बेटी को जन्म देंगी मेगन

मेगन और हैरी ने इंटरव्यू में अपने होने वाले बच्चे पर भी नया खुलासा किया। दोनों ने बताया कि वे गर्मियों में एक बेटी के माता-पिता बनेंगे। उन्होंने पिछले महीने 14 फरवरी को आर्ची के बड़े भाई बनने का ऐलान किया था।

शाही शादी के 3 दिन पहले शादी की : मर्केल

मर्केल ने बताया कि उन्होंने शाही शादी से तीन दिन पहले ही शादी कर ली थी। 19 मई को हुई उन दोनों की शाही शादी सिर्फ औपचारिकता थी। उन्होंने बताया कि शाही शादी से पहले मैंने और प्रिंस हैरी ने अपने मुख्य धर्माध्यक्ष को शाही शादी से पहले कॉल किया और कहा कि क्या वो उनकी औपचारिक शादी से पहले निजी शादी करा सकते हैं। इसके बाद हमने बिना किसी मेहमान और दर्शकों के शादी की।

पिछले साल छोड़ी थी शाही उपाधि

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पोते हैरी और मेगन ने पिछले साल मार्च में फ्रंटलाइन रॉयल ड्यूटी छोड़ दी थी और अब कैलिफोर्निया में रहते हैं। पिछले साल जनवरी में ही दोनों ने ड्यूक ऑफ ससेक्स और डचेस ऑफ ससेक्स की शाही उपाधि छोड़ने का ऐलान किया था।

कोरोना दुनिया में: महिला की मौत के बाद ऑस्ट्रिया में एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन सस्पेंड; इजराइल में संक्रमितों का आंकड़ा 8 लाख के पार

सिडनी। वैक्सीनेशन के दौरान एक महिला की मौत के बाद ऑस्ट्रिया में एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। न्यूज एजेंसी रायटर्स ने यहां की हेल्थ एजेंसी के हवाले से बताया कि एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन का डोज लेने के बाद एक महिला की मौत हो जाने की वजह से एहतियात के तौर पर फिलहाल वैक्सीनेशन रोक दिया गया है। संभावित साइड इफेक्ट्स को लेकर अन्य लोगों की जांच की जा रही है।

एक की हालत गंभीर

फेडरल ऑफिस फॉर सेफ्टी फॉर हेल्थ केयर ने बताया कि ऑस्ट्रिया प्रांत के ज्वेटल के जिला क्लीनिक में एस्ट्राजेनेका वैक्सीन के पहले डोज दिए जाने के बाद दो साइड इफेक्ट्स

की रिपोर्ट सामने आई है। एक 49 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि एक 35 वर्षीय महिला की हालत गंभीर है जिसका इलाज चल रहा है। फिलहाल वैक्सीनेशन की वजह से महिला की मौत होने के कोई सबूत नहीं मिले हैं और आगे की जांच जारी है।इजराइल में संक्रमितों का आंकड़ा 8 लाख के पार

इजराइल में कोरोना से संक्रमित होने वालों का आंकड़ा 8 लाख के पार पहुंच गया है। शनिवार को कोरोना के 994 नए मामले सामने आने के साथ यहां कुल संक्रिमतों की संख्या 8 लाख 721 हो गई। यहां अब तक 7 लाख 54 हजार 210 लोग ठीक भी हो चुके हैं, जबकि 1155 लोगों की मौत भी हुई है। इजराइल के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, यहां अब तक 49.3 लाख लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा चुका है, जो यहां की पूरी आबादी का 53फीसदी है। देश में टीकाकरण अभियान की शुरुआत पिछले साल 20 दिसंबर से हुई थी।

लॉकडाउन में ढील दी गई

इजराइली कैबिनेट द्वारा निर्णय लिए जाने के बाद रविवार को देश में जारी लॉकडाउन में ढील दिए जाने के तीसरे चरण को लागू कर दिया गया। इस निर्णय के तहत देश में इजराइलियों के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया गया है, लेकिन रोज सिर्फ 3,000 लोगों को ही देश आने की अनुमति दी जाएगी। इसके साथ ही खुले स्थानों पर 50 से ज्यादा लोगों की भीड़ जमा नहीं हो सकेगी। दुनिया में कोरोना मरीजों का आंकड़ा 11.74 करोड़ से ज्यादा हो गया। 9 करोड़ 29 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं। अब तक 26 लाख 5 हजार से ज्यादा लोग जान गंवा चुके हैं। पिछले 24 घंटे के अंदर दुनिया में 3.65 लाख से ज्यादा नए मामले सामने आए और 5 हजार से ज्यादा मरीजों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। ये आंकड़े www.worldometers.info/coronavirus के मुताबिक हैं।

सीरियल ब्लास्ट के दस साल बाद पकड़ा गया था आरिज खान

नई दिल्ली। दिल्ली सीरियल ब्लास्ट व बाटला हाउस मुठभेड़ में इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा की हत्या मामले के आरोपित इंडियन मुजाहिदीन के आतंकी आरिज खान को आइबी की मदद से स्पेशल सेल ने घटना के दस साल बाद फरवरी 2018 में स्पेशल सेल की टीम ने भारत-नेपाल की सीमा से गिरफ्तार किया था। इसपर 15 लाख का इनाम था। इसके खिलाफ इंटरपोल के जरिये रेड कार्नर नोटिस भी जारी हुआ था। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ निवासी आरिज खान उर्फ जुनैद वर्ष 2008 में दिल्ली समेत जयपुर, अहमदाबाद और उत्तर प्रदेश की अदालतों में हुए धमाकों का मुख्य साजिशकर्ता है। इन धमाकों में 165 लोग मारे गए थे और 535 लोग घायल हुए थे। आरिज बम बनाने में माहिर है। इसने मुजफ्फरनगर के एसडी कालेज से बीटेक की पढ़ाई की है। नेपाल में सलीम बनकर रह रहा था आरिजआरिज नेपाल की नागरिकता हासिल कर सलीम नाम से रह रहा था। उसने नेपाल में एक रेस्टोरेंट खोला था और वहां पढ़ाता भी था। 2014 तक वह नेपाल में रहा था। उसी दौरान वह आइएम के संस्थापक रियाज भटकल के संपर्क में आया था। रियाज ने उसे आइएम को दोबारा खड़ा करने के लिए सऊदी अरब बुलाया था। वर्ष 2014 में वह सऊदी अरब गया और वहां एक मजदूर बनकर सिमी और आइएम के लोगों से मिलता रहा। वर्ष 2017 में वह सऊदी अरब से नेपाल लौटा। उसी दौरान स्पेशल सेल को पता चला था कि प्रतिबंधित संगठन सिमी और आइएम के लोग नेपाल में युवकों को भारत में अवैध गतिविधियों के लिए तैयार कर रहे हैं। इसके बाद सिमी से जुड़े अब्दुल सुहान उर्फ तौकीर को पहले जनवरी 2018 में गिरफ्तार किया गया।

पंजाब से आयी हाईटेक ऐसी ट्रेक्टर ट्रोली

ट्राली में लगी एसी को चलाने के लिए बाहर से बिजली लेने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए ट्राली में ही डेढ़ किलोवाट का सोलर पैनल लगाया है।

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कृषि कानूनों के विरोध में कुंडली बार्डर पर चल रहे आंदोलन का नजारा अब बदलने लगा है। बढ़ते तापमान को देखते हुए आंदोलनस्थल पर बने टेंटों में इसी अनुरूप सुविधाएं भी बदलने लगी है। यही हाल अब यहां पहुंचने वाल ट्रैक्टर-ट्रालियों का भी है। ठंड के दिनों में तंबूनुमा ट्रालियों में जहां गद्दे-कंबल के साथ-साथ लकड़ियां भरी रहती थी, वहीं अब लग्जरी और एसी ट्रालियां यहां पहुंचने लगी हैं। इन ट्रालियों को मोडिफाई कर आकर्षक रूप दिया है। अंदर से इंसूलेटर, वाल पेपर लगाकर इसे पूरी तरह से वातानुकूलित किया गया है और बाहर इसमें विंडो एसी लगाई गई है, जो सोलर सिस्टम से चलता है। आंदोलनस्थल पर खड़ी यह ट्राली लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पंजाब से एसी ट्राली लेकर पहुंचे युवराज सिंह ने बताया कि इस ट्राली को मोडिफाई में करीबन डेढ़ लाख रुपये का खर्च आया है। ट्राली की दीवार पर बाहर तो लोहे की चद्दरें ही हैं, लेकिन धूप और गर्मी से इसे बचाने के लिए अंदर से तापरोधी मैटेरियल लगाया गया है। इसी तरह छत पर फाल्स सीलिंग लगाई गई है और दीवारों को खूबसूरत वाल पेपर से सजाकर आकर्षक लुक दिया गया है। ट्राली में लगी एसी को चलाने के लिए बाहर से बिजली लेने की आवश्यकता नहीं है। इसके लिए ट्राली में ही डेढ़ किलोवाट का सोलर पैनल लगाया है। इस सोलर पैनल से एसी आसानी से चल जाता है। यही नहीं इसे ट्रैक्टर की बैट्री से भी चलाया जा सकता है। वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने विधानसभा में दिल्ली का बजट पेश किया। ट्राली में एसी के साथ-साथ आराम करने और मनोरंजन व अन्य सुख-सुविधाओं का भी पूरा ख्याल रखा गया है। ट्राली के अंदर ही एक बड़ी एलईडी भी लगी है। साथ ही एक फ्रिज भी इसमें लगा है, ताकि बढ़ते तापमान को देखते हुए पानी आदि को आसानी से ठंडा किया जा सके। इसके अलावा ट्राली में आठ आरामदेह गद्दे भी खूबसूरत मैट पर बिछाए गए हैं। करीब छह फीट ऊंची छत को लाइट, फाल्स सीलिंग और बीटों के जरिए आकर्षक ढंग से सजाया गया है, ताकि इसके अंदर बैठने पर किसी होटल के सजे हुए कमरे का एहसास हो सके।

वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने पेश किया 69,000 करोड़ रुपये का बजट

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी सरकार में वित्त मंत्री और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2021-22 के लिए विधानसभा में दिल्ली का बजट किया। दिल्ली में पहली बार डिजिटल बजट पेश किया गया। कोरोना महामारी से उबर रही दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार की तरफ से पहली बार डिजिटल तरीके से पेश बजट करीब 70,000 करोड़ रुपये का रहा। पिछली बार से करीब 5000 करोड़ रुपये ज्यादा। दिल्ली सरकार ने इस बार 69,000 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट पेश किया है जो अबतक दिल्ली का सबसे बड़ा बजट है। इसमें शिक्षा के लिए 16,377 करोड़ रुपये के साथ स्वास्थ्य के लिए 9,934 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 9,394 करोड़ रुपये आवेंटित किए गए हैं। वहीं, झुग्गी-झोपड़ी में में रहने वालों के लिए फ्लैट्स बनाने के मद्देनजर 5,328 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जबकि अनधिकृत कॉलोनियों के लिए 1,550 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने एलान किया है कि दिल्ली के लोगों को मुफ्त में टीका लगाया जाएगा। इसके लिए लोगों को सरकारी अस्पताल में जाना होगा, जहां पर उन्हें मुफ्त में कोरोना वायरस का टीका लगाया जाएगा। इसके लिए बजट में 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने एलान किया है कि वर्ष 2047 तक दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय को सिंगापुर के प्रति व्यक्ति आय के बराबर बनाने का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए इस लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त करने के लिए आय में 16 फीसद की वृद्धि आवश्यक होगी। यह मुश्किल होगा, लेकिन हम इसे सफल बनाने की दिशा में काम करेंगे। दिल्ली सरकार ने बजट में शिक्षा के लिए सबसे ज्यादा पैसे आवंटित किए हैं। वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा है कि उच्च शिक्षा में आजादी से अब तक बहुत बेहतर काम नही कर पाए हैं, मगर हमारी सरकार इस क्षेत्र पर बहुत ध्यान दे रही है। दिल्ली में अच्छे शिक्षकों को तैयार करने के लिए एक विश्वविद्यालय बनेगा। दिल्ली में ला विश्वविद्यालय बनेगा। शिक्षा के क्षेत्र पर इस बार 16377 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। दिल्ली सरकार ने बजट में तकरीबन 2000 कॉलोनियों में रहने वालों के लिए फंड आवंटित किया है। इसके तहत अनधिकृत कॉलोनियों के लिए 1550 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। वहीं, झुग्गी वालों को आवास उपलब्ध कराने के लिए 5328 करोड़ की राशि का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि फिलहाल देश में 39 सैनिक स्कूल हैं, लेकिन दिल्ली में एक भी सैनिक स्कूल नहीं है। ऐसे में दिल्ली में एक सैनिक स्कूल बनाने का प्रस्ताव किया गया। इसके अलावा दिल्ली आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी एकेडमी की स्थापना की जाएगी।

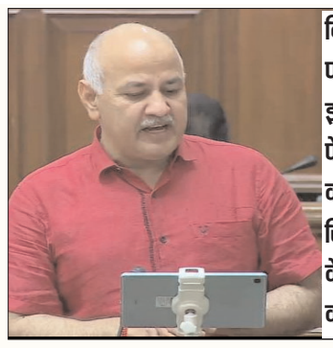

दिल्ली सरकार पूर्व में स्वास्थ्य पर खासा जोर देती रही है, इसका प्रभाव मंगलवार को पेश हुए बजट में भी देखने को मिला। वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने इस बार स्वास्थ्य के लिए 9,934 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

दिल्ली के 2 करोड़ लोगों को मुफ्त में लगेगा कोरोना का टीका, बजट में 50 करोड़ देने का एलान

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी के लोगों को मुफ्त में कोरोना का टीका लगाने का एलान किया है। वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने बजट में टीकारण के लिए 50 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राजधानी के लोगों का दिल्ली सरकार के सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त में टीका लगाया जाएगा। इसके लिए फंड की कमी नहीं होने दी जाएगी। दिल्ली सरकर के इस एलान से 2 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा।सिसोदिया ने बताया कि महिलाओं के लिए 100 विशेष महिला मोहल्ला क्लीनिक अगले साल से शुरु कर दी जाएंगी। दिल्ली के वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि सरकार ने साल 2021-22 के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 9,934 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है जो कुल बजट का 14 फीसद है। दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि दिल्ली के लोगों को सरकारी अस्पतालों में कोरोना वैक्सीन मुफ़्त में लगाई जाएगी। सिसोदिया ने कहा कि जल्द ही प्रति दिन टीकाकरण 45 हजार से बढ़कर 60 हजार किया जाएगा। इससे पहले भी हाल में ही दिल्ली सरकार ने कहा था कि राजधानी में सभी का फ्री में टीकाकरण होगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पहले ही केंद्र से मांग कर चुके हैं कि कोरोना वैक्सीन पूरे देश के लोगों को मुफ्त में लगाई जाए। आम आदमी पार्टी की केजरीवाल सरकार दिल्ली के लोगों को पहले ही बिजली और पानी पहले से ही मुफ्त में मिल रही है। 200 यूनिट बिजली खर्च करने पर लोगों से कोई चार्ज नहीं लिया जाता। वहीं, दिल्ली परिवहन निगम की बसों (डीटीसी) में सभी महिलाओं के लिए टिकट मुफ्त है। इसका लाभ दिल्ली के साथ एनसीआर की उन महिलाओं को मिल रहा है जो डीटीसी की बसों में सफर कर रही हैं। बता दें कि डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के पास वित्त मंत्रालय का प्रभार भी है। वित्त मंत्री के रूप में सिसोदिया लगातार सातवीं बार दिल्ली का बजट पेश कर रहे हैं। कोरोना महामारी के कारण सिसोदिया डिजिटल तरीके से बजट पेश कर रहे हैं। इस बार बजट की थीम देशभक्ति पर आधारित है। आम आदमी पार्टी की सरकार का यह सातवां बजट है। यह तीसरा मौका है जब दिल्ली सरकार ने बजट को थीम आधारित रखते हुए योजना बनाई है। सरकार सबसे पहले स्वराज बजट लेकर आई थी। इसके बाद 2018 में पर्यावरण पर फोकस करते हुए ग्रीन बजट पेश किया था।

दिल्ली सरकार ने निर्णय लिया है कि दिल्ली के लोगों को सरकारी अस्पतालों में कोरोना वैक्सीन मुफ़्त में लगाई जाएगी। सिसोदिया ने कहा कि जल्द ही प्रति दिन टीकाकरण 45 हजार से बढ़कर 60 हजार किया जाएगा।

दिल्ली दो इलाकों में तीन लोगों को पीट-पीटकर मार डाला

नई दिल्ली। दिल्ली के दो इलाकों में दिल दहला देने वाली घटनाएं सामने आयी हैं। आजादपुर मंडी और राजौरी गॉर्डन थाना इलाके में तीन लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मिली जानकारी के अनुसार, आजादपुर मंडी में मंगलवार तड़के चोरी के आरोप में कुछ लोगों ने दो लोगों को पीट-पीटकर मार डाला। दोनों की इस कदर पीटा गया कि मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार सुबह सुबह 7.30 बजे के करीब आज़ादपुर मंडी के कर्मचारियों की तरफ से इस संबंध में सूचना मिली थी। पुलिसकर्मी तुरंत आजादपुर सब्जी मंडी पहुंचे। लोकेश (24 वर्ष) और एक अन्य युवक अचेत अवस्था में पड़े थे। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि चोरी के शक में दोनों को भीड़ ने पीटा था। पुलिस ने बताया कि वारदात स्थल के आस-पास की सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। वारदात में शामिल लोगों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मृतकों में एक दिल्ली के भदोला गांव और दूसरा झुग्गी बस्ती एच-ब्लॉक जहांगीर पुरी का रहने वाला था।

दिल्ली में ऑन डिमांड बाइक चोरी करने वाले गिरोह के तीन बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली जिले की स्पेशल स्टाफ ने ऑन डिमांड बाइक चोरी करने वाले गिरोह के तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपित मेवात के रहने वाले हैं। आरोपितों की पहचान आस मोहम्मद, आसिफ और जाहूल के रूप में हुई है। आरोपितों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की 16 बाइक बरामद की है। पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि दक्षिणी दिल्ली से चोरी की गई कई बाइकों के मामले में एक ही गिरोह की संलिप्तता सामने आई थी। पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपितों की पहचान करने के बाद उनकी तलाश में छापेमारी भी कर रही थी। स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर गिरीश कुमार, एसआइ राहुल और कांस्टेबल इरशाद चौधरी की टीम ने आरोपितों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज से फोटो लेकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल किए हुए थे।

देश में ई-कॉमर्स कंपनियों को टक्कर देगा कैट, जल्द लांच होगा स्वदेशी ई-पोर्टल मोबाइल एप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय ई-कामर्स कंपनियों को टक्कर देने के लिए कंफेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) अपने वेंडर मोबाइल एप्लीकेशन को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर लांच करेगा। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत ई-मार्किट जो विशुद्ध रूप से भारतीय है और ये स्वदेशी पोर्टल विदेशी बहुराष्ट्रीय दिग्गजों के साथ नैतिक रूप से प्रतिस्पर्धा करने के लिए भारत के आठ करोड़ व्यापारियों को समान स्तर का प्लेटफार्म प्रदान करेगा। इसके माध्यम से व्यापारियों को अब अपने पुराने स्थापित ग्राहकों को डिजिटल रूप से सेवा करने का अवसर मिलेगा, जिनके साथ वे वर्षों से व्यापार कर रहे हैं। व्यापारी भारत ईमार्केट के साथ हर भारतीय घर तक पहुंचने में सक्षम होंगे और अविश्वसनीय समय सीमा के भीतर माल की डिलीवरी करने में सक्षम होंगे और सबसे सस्ती दरों पर सामान और सेवाएं प्रदान करेंगे जो उपभोक्ताओं के लिए भी फायदेमंद होगा। खंडेलवाल ने कहा कि भारत के बढ़ते ई-कॉमर्स स्पेस में भारत ई-मार्केट गेम चेंजर साबित होगा। अब समय आ गया है कि देश के प्रत्येक खुदरा व्यापारी को अपनी वास्तविक ताकत का अहसास कराया जाए और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उतरने के लिए प्रेरित किया जाए जिससे वे वास्तविक संभावनाओं का लाभ उठा सके। भारत ई मार्किट का लक्ष्य 31 दिसंबर, 2021 तक कम से कम सात लाख विक्रेताओं को ऑन बोर्ड करना और 31 दिसंबर, 2023 तक एक करोड़ विक्रेताओं को जोड़ कर चीन के अलीबाबा को पछाड़कर इसे दुनिया का सबसे बड़ा बाज़ार बनाना है, जिसमें लगभग 80 लाख विक्रेता मौजूद हैं। दोनों नेताओं ने भारत के ई-कॉमर्स बाजार की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त की, जिसके गिरते स्तर का कारण ये बहुरराष्ट्रीय कंपनियों है जिन्होंने सरकार के एफडीआई मानदंडों को पूरी तरह से विफल कर दिया है और अपने स्वार्थी उद्देश्यों के लिए अनैतिक व्यावसायिक प्रथाओं को बढ़ावा देकर ई-कॉमर्स के स्वस्थ वातावरण को बर्बाद कर दिया है।

चिड़ियाघर में महिला कर्मचारी बचा रहीं परिंदों की जान

नई दिल्ली। चिड़ियाघर में महिला दिवस के मौके पर बर्ड फ्लू से परिंदों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाने वाली महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान एक वार्ता का भी आयोजन किया गया। चिड़ियाघर के निदेशक रमेश कुमार पांडेय ने बताया कि चिड़ियाघर में महिला दिवस के मौके पर महिला कर्मचारियों का उत्साहवर्धन करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें सभी महिला कर्मचारियों और अधिकारियों से पक्षियों और जानवरों के बारे में चर्चा की गई है। महिला कर्मचारियों ने कोरोना संक्रमण और बर्ड फ्लू के दौरान बेजुबानों की जान बचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि संयुक्त निदेशक अनामिका, देविका, सुनिता, प्रियंका, हर्षिता, वीणा चंद्र, सुशीला, शगुफ्ता, ममता, सीमा उपाध्याय, ज्योति, सुनीता, नफीसा और मोनिका ने अहम भूमिका निभाई हैं। सभी महिला कर्मचारियों को आने वाली गर्मियों में जानवरों और पक्षियों के देखभाल के बारे में भी जानकारी दी गई। इस दौरान संयुक्त निदेशक ने महिलाओं के उत्कृष्ट कार्य के लिए उनकी सराहना की। उधर चिड़ियाघर के जानवरों को स्वस्थ रखने के लिए चिड़ियाघर प्रबंधन ने अपने अस्पताल को आधुनिक करने पर काम शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि प्रबंधन ने उच्च अधिकारियों के साथ इस सिलसिले में बैठक भी की है। वन एवं वन्य जीव मंत्रालय ने भी आधुनिकीकरण को लेकर प्रबंधन को हरी झंडी दे रखी है। इसके बाद से ही चिड़ियाघर में जानवरों के स्वास्थ्य को लेकर क्रमबद्ध तरीके से काम शुरू हुआ है। अस्पताल को आधुनिक करने में आने वाले खर्च को लेकर आला अधिकारियों की ओर से प्रबंधन को बजट तैयार करने को कहा गया है। इसी कड़ी में चिड़ियाघर प्रबंधन की ओर से कुछ समय पूर्व गैस एनस्थीसिया मशीन भी खरीदी गई है, ताकि बड़े जानवरों को बेहोश करने में कोई परेशानी न आए।

घर में रहकर भी की जा सकती है पढ़ाई बस रखना होगा समय का खास खयाल

नई दिल्ली। रोज छोटे-छोटे लक्ष्य को पार करने के बाद ही बड़े लक्ष्य तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त होता है। जनकपुरी निवासी रंजिम प्रबल दास इस बात को बखूबी समझते हैं और इसी रणनीति के आधार पर उन्होंने जेईई मेन में शत-प्रतिशत नतीजे प्राप्त किए है। रंजिम का सपना है कि वे आईआईटी, दिल्ली से कंप्यूटर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करें।

शत-प्रतिशत नतीजों की घोषणा के बाद से रंजिम के परिवार में खुशी का माहौल हैं। अध्यापक, दोस्त उन्हें फोन कर बधाई दे रहे हैं। रंजिम बताते हैं कि उन्हें पूरा विश्वास था कि उन्हें परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त होंगे, पर वे शत-प्रतिशत नतीजे प्राप्त करेंगे ऐसा विश्वास नहीं था। रंजिम बताते हैं कि 11वीं कक्षा से ही उन्होंने जेईई मेन की तैयारी शुरू कर दी थी। तैयारी में कोचिंग का काफी अहम योगदान रहा। क्योंकि इससे उन्हें अपनी मजबूती व कमजोरी का आकलन करने में काफी मदद मिली। कोचिंग में नियमित से होने वाली परीक्षा ने उनकी तैयारी को मजबूती प्रदान की और उनमें विश्वास का सृजन किया।

घर में रहकर भी तैयारी की जा सकती है, लेकिन खुद को हर समय प्रेरित रख पाना काफी मुश्किल है। कोचिंग में तरह-तरह के बच्चे होते हैं और उससे प्रतियोगिता की भावना पैदा होती है। रंजिम बताते हैं कि वे रोजाना अपने कुछ लक्ष्य निर्धारित करते हैं कि उस दिन उन्हें कौन-कौन से विषय को पढ़ना है और उसी अनुरूप पढ़ाई को समय देते है। हालांकि उनकी कोशिश रहती है कि दिन में आठ घंटे पढ़ाई हर हाल में सुनिश्चित हो। पर लक्ष्य पूरा नहीं होता है तो अतिरिक्त समय देने को भी तत्पर रहते हैं। रंजिम बताते हैं कि तैयारी में अभ्यास का महत्वपूर्ण योगदान है। बिना अभ्यास के ज्ञान अधूरा है।

दिल्ली के लाखों लोगों के लिए जारी रहेंगी मुफ्त बिजली-पानी समेत कई योजनाएं

नई दिल्ली। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 69,000 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इस बजट में एक बार फिर दिल्ली सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य को तरजीह दी है। इसके अलावा, वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने बजट में कुछ अहम और बड़े एलान भी किए हैं।इसके बाद दिल्ली विधानसभा में पेश किए गए दिल्ली के 2021-22 के बजट को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेसवार्ता भी की।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली के वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने सभी वर्गों को ध्यान में रखकर ये बजट पेश किया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने यह भी कहा कि यह ऐतिहासिक बजट है। हमारे पास आय कम हो गई थी और खर्च बहुत ज्यादा बढ़ गए थे, हम ऐसा अनुमान लगा रहे थे कि बजट कम राशि का हो सकता है। बावजूद इसके बजट की राशि 6 फीसद बढ़ाई गई है।

यह दिल्ली वालों के सहयोग से सम्पन्न हो सका है। निशुल्क वाली सभी सुविधाएं जारी रहेंगी। बजट में शिक्षा के लिए एक चौथाई राशि शिक्षा पर खर्च होगा, जबकि बजट की 14 फीसद राशि स्वास्थ्य पर खर्च होगी। अरविंद केजरीवाल ने यह भी कहा है कि वित्त मंत्री मनीष सिसोदिया ने विजन दिया है कि 2048 का ओलंपिक दिल्ली में होना चाहिए। इस पर काम किया जाएगा। शिक्षा को जनांदोलन बनाया जाएगा। यूथ फार एजुकेशन के जरिए साधनहीन लोगों को शिक्षा दिलाई जाएगी। इसके अलावा, दिल्ली में पहली बार महिलाओं के लिए महिला मोहल्ला क्लीनिक बनाए जाएंगे। गौरतलब है कि दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी पिछले कई सालों से मुफ्त बिजली और पानी की योजना चला रही है। इतना ही नहीं, पिछले डेढ़ साल से भी अधिक समय से डीटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा की स्कीम भी जारी है।

आइआइटी दिल्ली में हर तीसरी शोधार्थी छात्रा, बीटेक, एमटेक समेत अन्य पाठ्यक्रमों में बढ़ी भागीदारी

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली(आइआइटी दिल्ली) में छात्राओं की भागीदारी हाल के वर्षों में बढ़ी है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की बधाई देते हुए आइआइटी निदेशक प्रो रामगोपाल राव ने कहा कि आइआइटी दिल्ली में कुल विद्यार्थियों में छात्राओं का फीसद 24 है। यहां करीब 2545 छात्राएं पढ़ती है।

प्रो रामगोपाल राव ने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि क्या आपको पता है आइआइटी दिल्ली में हर चौथा विद्यार्थी एक छात्रा है। हर तीसरा शोधार्थी एक छात्रा है। बीटेक का हर छठवां विद्यार्थी भी एक छात्रा है। इन्हीं में से नेतृत्वकर्ता निकलेंगी। भारत का भविष्य अंधकारमय नहीं है। हम बिल्कुल सही रास्ते पर है।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कई कार्यक्रम आयोजित किए। जेएनयू इकाई के अध्यक्ष शिवम चौरसिया ने बताया कि नजदीकी मधुकर बस्ती में मासिक धर्म को लेकर महिलाओं को जागरूक किया गया। यहां मासिक धर्म संबंधित 100 किट का वितरण किया गया। जिसमें सैनिटरी नैपकिन, तौलिया, कंघी, सैनिटाइजर सरीखी वस्तुएं थी। एक परिचर्चा भी आयोजित की गई। शिवम चौरसिया ने कहा कि एबीवीपी सिर्फ बोलने में विश्वास नहीं रखता है। हम ऐसी कमरों में बैठकर महिला उत्थान पर गोष्ठियां आयोजित नहीं करवाते हैं बल्कि जमीन पर उतर कर किसी के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रयास करते हैं।

फुर्सत के पलों में तफरीह कर रहे बुजुर्ग बने हैं धरने की 'टिमटिमाते लौ'

बाहरी दिल्ली। कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की ओर सिंघु बार्डर पर चल रहे धरने में अब ज्यादातर बुजुर्ग ही दिखाई देते हैं। इनमें कई बुजुर्ग तो सत्तर की उम्र को पार कर चुके हैं। पंजाब से आए ऐसे ज्यादातर बुजुर्ग पारिवारिक दायित्वों से तकरीबन मुक्त हो चुके हैं।

कुल मिलाकर बुजुर्ग अब पूरी तरह से फुर्सत के पलों को धरने में शामिल होकर तरफरीह की तरह जी रहे हैं। ऐसे बुजुर्ग ही अंधे मोड़ पर जा पहुंचे आंदोलन के लिए टिमटिमाते लौ साबित हो रहे हैं जिन्होंने कृषि कानूनों के प्रविधानों को कभी पढ़ने समझने की कोशिश नहीं की है। तभी तो धरने में मिले लुधियाना के 70 वर्षीय परमिंदर सिंह कहते हैं कि घर पर बैठे ही रहते हैं। गांव के कई हमउम्र आ रहे थे तो वह भी यहां चले आए हैं। गणतंत्र दिवस पर हुए उपद्रव के बाद से ही प्रदर्शनकारियों में शामिल युवा धीरे धीरे कम होने लगे थे, जिनकी संख्या अब बेहद कम नजर आती है। इससे ऐसा लग रहा है कि कृषि कानूनों के विरोध में चल रहे इस बेमियादी आंदोलन से युवाओं का मोह भंग होता जा रहा है।

ऐसे में किसान मजदूर संघर्ष कमेटी पंजाब के महासचिव सरवन सिंह पंधेर मंच से अपने भाषण के दौरान युवाओं की भागीदारी बढ़ाने को लेकर लगातार अपील कर रहे हैं, लेकिन धरने के नजारे को देखकर ऐसा लगता है कि पंजाब के युवाओं पर उनकी अपील का कोई असर नहीं पड़ रहा है। दरअसल गणतंत्र दिवस पर आयोजित ट्रैक्टर परेड के रूट को नहीं मान कर लाल किले तक जाने के लिए युवाओं को नेताओं ने ही उकसाया था, लेकिन उपद्रव के बाद यह मामला नेताओं की गले की फांस बनने लगी तो उन्होंने इसकी जिम्मेदारी युवाओं पर थोप दी थी। ऐसे में यह माना जा रहा है कि आंदोलन में साथ दे रहे युवाओं को इनकी दोहरी राजनीति समझ में आ गई है।

उधर बाहरी दिल्ली के इलाके में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सिंघु बार्डर पर अलग ही नजारा देखने को मिला। महिलाओं ने जहां मंच की बागडोर संभाली, वहीं पुरुषों ने महिला व दूसरे प्रदर्शनकारियों के लिए लंच (दोपहर का खाना) बनाया। एक तरफ महिलाएं अपने संबोधन से आंदोलन को लौ दिखा रही थीं, वहीं दूसरी ओर पुरुष सब्जियों को तड़का लगा अपना हुनर दिखा रहे थे। महिलाएं मंच से आंदोलन को ज्यादा तेज करने की बातें कर रही थीं तो पुरुष यह कहते सुनाई दिए, 'चेक करो नमक ज्यादा तो नहीं हो गया है।' दरअसल सिंघु बार्डर पर सोमवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। इस दौरान मंच से लेकर सुरक्षा तक की बागडोर महिलाओं ने ही संभाली। हरियाणा व पंजाब से भारी संख्या में पहुंची महिलाओं ने आंदोलन के 102वें दिन मंच का संचालन व अध्यक्षता की।

संपादकीय

केवल स्वार्थ और दौलत की ओर युवाओं को न ले जाएं

यह वर्ष का ऐसा समय है, जब देश भर के बिजनेस स्कूल छात्रों को दो साल के गहन प्रशिक्षण और संगठन के प्रबंधन के लिए तैयार करते हैं, खासकर आर्थिक फायदे के लिए। छात्र अपनी पसंद के प्रबंधन संस्थान का चयन करते हैं और तब पैसा उनमें से हर किसी के दिमाग में होता है। ऐसा करते हुए छात्र बीटल्स संगीत मंडली के एक गीत को चरितार्थ करते हैं। साल 1963 में बीटल्स का यह गीत आया था, जिसका शीर्षक था, यही तो मैं चाहता हूं, जिसके बोल के भावार्थ कुछ इस प्रकार हैं कि अभी मुझे दौलत दो, यही तो मैं चाहता हूं। प्रबंधन की पढ़ाई पैसे बनाने के इरादे से की जाती है। पढ़ने के बाद कुछ युवा खुद उद्यमी बन पैसे कमाने के बारे में सोचते हैं, तो दूसरे छात्रों को मोटे वेतन वाली कॉरपोरेट नौकरियों की उम्मीद होती है। साल-दर-साल यही होता आ रहा है। प्रबंधन संस्थान के संकाय सदस्य के रूप में मैं भी विशेषाधिकार प्राप्त युवाओं के दिमाग में ज्यादातर पैसे का ही वर्चस्व पाती हूं, जबकि समाज को प्रभावित करने वाले गंभीर मुद्दों को समझने की क्षमता उनमें कम ही लगती है। साक्षात्कार तब ऐसा मंच बन जाता है, जहां दिशा रवि मामले या अर्थव्यवस्था, समाज, राजनीति के मामले में पेश चुनौतियों पर युवाओं की राय एक मालूम पड़ती है। युवा अक्सर कहते हैं कि मेरी राजनीति में दिलचस्पी नहीं है और मैं उस पर गौर नहीं करता। ऐसा सतही स्पष्टीकरण आश्चर्य है। क्या भारत के विशेषाधिकार प्राप्त युवाओं को वास्तव में बड़े मुद्दों की भी परवाह नहीं है? यहां विशेषज्ञों के विचार अलग-अलग हैं। एक राय है, युवाओं को राजनीतिक, सामाजिक मामलों में अति-सक्रियता से बचना चाहिए। गैर-लाभकारी संगठनों में काम करने से इनकार करना चाहिए। भौतिकवादी विचार रखने चाहिए। पैसे कमाना, कारोबार शुरू करना, भौतिक दुनिया में अच्छा करना ही उनका लक्ष्य होना चाहिए। एक राय यह भी है कि आंदोलन में भाग लेना देश को बेहतर स्थान बनाने का अक्षम तरीका है। युवाओं की एक पीढ़ी आज 'योलो' (यू वनली लाइव वंस = जिंदगी मिलेगी न दोबारा) में जीती है और 'फोमो' (फीयर ऑफ मिसिंग आउट = वंचित रह जाने के भय) से संचालित होती है। ऐसे में, किसी आंदोलन में भाग लेना इस पीढ़ी के युवाओं के दिमाग में आने वाली आखिरी चीजों में शुमार है।

यदि हम गौर करें, तो भारत के स्वतंत्रता आंदोलन को विशेषाधिकार प्राप्त पृष्ठभूमि के लोग ही बहुत हद तक आगे ले गए, जिन्होंने तमाम कठिनाइयों को स्वीकार करने की राह चुनी थी। एक धनी वकील के बेटे सुभाष चंद्र बोस ने 1920 में परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद भी सिविल-सेवा करियर त्याग दिया था और 25 वर्ष की आयु से पहले ही राष्ट्रवादी गतिविधियों के लिए जेल में डाल दिए गए थे। भगत सिंह सिर्फ 23 के थे, जब उन्हें फांसी दी गई थी। गांधी का सत्याग्रह, जिसने स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का आधार बनाया, आंशिक रूप से दक्षिण अफ्रीका में एक अपेक्षाकृत विशेषाधिकार प्राप्त वकील के रूप में भोगे गए भेदभाव का नतीजा था। हालांकि, आज 'एक्टिविज्म' या आंदोलन में भाग लेने को एक गंदे शब्द के रूप में देखा जाने लगा है, जबकि भारत और दुनिया में ऐसे कई राजनीतिक-सामाजिक बदलाव हुए हैं, जो आंदोलन में युवाओं की सक्रियता का परिणाम हैं। अपने देश में भारतीय युवाओं की उच्च शिक्षा तक पहुंच वैसे ही कम है और जो युवा यहां तक पहुंच रहे हैं, उन्हें मात्र संकीर्ण स्वार्थ और धन की पूजा की ओर निर्देशित नहीं करना चाहिए। यह समय है, जब स्कूल, विश्वविद्यालय और प्रबंधन परिसरों में भारतीय युवाओं को बड़े मुद्दों को गंभीरता से देखने और तर्कपूर्ण तरीके से असंतोष व्यक्त करने के लिए शिक्षित किया जाए। यह एक ऐसे देश में महत्वपूर्ण है, जिसे अपनी आबादी की दृष्टि से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव प्राप्त है। देश में अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा के लिए विशेषाधिकार व इससे जुड़े अवसरों को कभी खत्म नहीं करना चाहिए। अपने तात्कालिक भौतिक फायदे के लिए यथास्थिति बनाए रखने पर जोर न रहे। निष्क्रिय उपभोक्ता, प्रबंधक या नेता बनने के बजाय युवाओं को एक बेहतर समाज निर्माण के लिए जिम्मेदार नागरिक व अच्छे बदलाव के प्रतिनिधि बनने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

व्यक्तिगत आयकर से जुड़ा मिथक: मध्य वर्ग में एक बड़ा हिस्सा नौकरीपेशा लोगों का है, जो वेतनभोगी है और अपने व्यक्तिगत आयकर का थोक भुगतान करता है। इस मिथक को तोड़ने की जरूरत है कि आयकर दाता पिरामिड के निचले हिस्से के लोग सरकारी कोष में बहुत कम रकम का योगदान करते हैं। इस मामले में आंकड़े अलग ही तथ्य बयान करते हैं। कर निर्धारण वर्ष 2019 में डेढ़ लाख रुपये तक का कर अदा करने वाला यह वर्ग कुल मिलाकर छह साल पहले की 23.5 हजार करोड़ रुपये की कर राशि की तुलना में यह रकम लगभग 66 हजार करोड़ रुपये थी। नीति निर्माताओं को यह समझने और स्वीकार करने की आवश्यकता है कि सरकार इन छोटे कर चुकाने वाले व्यक्तियों, जो डेढ़ लाख रुपये से नीचे की आमदनी वाले हैं, उनके द्वारा भुगतान किए गए आय करों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा अर्जित करती है। जो लोग इसमें योगदान करते हैं, वे केवल इस बात की उम्मीद करते हैं कि उनके द्वारा किए गए योगदान का एक हिस्सा उन्हें कृपा और नकदी दोनों तरीकों से वापस मिलना चाहिए। राजनीतिक ताकत की समझ का विकास: जैसे-जैसे अमीर मध्य वर्ग से दूर होते हैं, उनकी संबंधित राजनीतिक शक्ति से लोकतांत्रिक देश के ढांचे के विकृत होने की आशंका बढ़ती जाती है। हमारे देश में शीर्ष 10 प्रतिशत धनी लोगों के पास देश की 75 प्रतिशत से अधिक संपत्ति है। लिहाजा उनका राजनीतिक असर बढ़ना स्वाभाविक है। इससे देश के मध्य वर्ग को नुकसान होता है। उनकी किस्मत एक तरफ शासन की गुणवत्ता में जुड़ी हुई है, तो दूसरी तरफ विकास से।

प्रवीण कुमार सिंह

हमारे देश में अर्थव्यवस्था को तेज गति प्रदान करने वाला सबसे प्रभावी और बड़ा वर्ग मध्य वर्ग

अमीर वर्ग पर आधारित विकास की तुलना में मध्य आय आधारित विकास की कई अन्य विशेषताएं भी हैं। दरअसल मजबूत मध्य वर्ग एक आर्थिक संबल है, जो मंदी के खिलाफ हमारी अर्थव्यवस्था को एक सुरक्षा जाल प्रदान करता है। वे विश्वास का स्नोत और मेहनती हैं, जो व्यापारिक लेन-देन को ज्यादा कुशल बनाते हैं। वे शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करते हैं, मानव पूंजी का निर्माण करने सहित कई अन्य सामाजिक मापदंडों को आगे बढ़ाते हैं। सरकार को इस दिशा में अधिक ध्यान इसलिए भी देना चाहिए, क्योंकि एक कमजोर मध्य वर्ग शासन के लिए नुकसानदायी है।

हमारे देश में एक बड़ा मध्य वर्ग है जिसका अधिकांश हिस्सा शहरों में निवास करता है। यह वह वर्ग है जिस पर सरकार को अपनी ओर से तुलनात्मक रूप से अन्य वर्गों के मुकाबले कम खर्च करना पड़ता है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो इस वर्ग को हमेशा उसकी क्षमता से कम ही हासिल हो पाया है। देश का एक बड़ा वर्ग तो यह भी मानता है कि मध्य वर्ग राजनीतिक कथानक में अप्रासंगिक होता जा रहा है। दरअसल हमारे नीति निर्माण में टिकल-डाउन सिद्धांत का वर्चस्व कायम हो गया लगता है और यह इस गलत धारणा के आसपास केंद्रित है कि असमानता तेज विकास का एक सह-उत्पाद है। यह अपने आप में एक गुमराह करने वाला तथ्य है कि शीर्ष पर रहने वालों का लाभ धीरे धीरे नीचे तक जाएगा। इसे टिकल-डाउन सिद्धांत के रूप में बताया जाता है। लेकिन वर्तमान में इसे पलटने की जरूरत है। इसका कारण यह है कि उठता हुआ ज्वार सभी नावों को उठा पाने में सक्षम नहीं होता है। यही समय है जब नीति निर्माताओं को यह समझना होगा कि वास्तव में आर्थिक विकास का एक वैकल्पिक सिद्धांत भी है। दशकों से नीति निर्माताओं ने दो सामाजिक समूहों पर ध्यान केंद्रित किया है, परिणामस्वरूप उच्च और निम्न आय वर्ग और आर्थिक विकास में मध्य वर्ग की सामाजिक व आर्थिक भूमिका की उपेक्षा हुई है। जबकि मध्य वर्ग न केवल देश के आर्थिक विकास में अहम भूमिका निभाता है, बल्कि परोक्ष रूप से अन्य कई वर्गों का भार भी उठाता है।

मध्य और वेतनभोगी वर्ग की निराशा को समझना बहुत मुश्किल काम नहीं है। वे उपेक्षित तो हैं ही, सरकार के परोपकारिता के लाभों से भी वंचित हैं। सीमांत और मध्य आय वाले किसानों के लिए कर छूट को जो समझता है, उसके लिए यह

समझना मुश्किल हो जाता है कि अमीर और संपन्न वर्ग को टैक्स के दायरे से बचने की सुविधा क्यों दी जाती है। यह पूरी तरह से गलत व्यवस्था है।

दरअसल हमारा मध्य वर्ग अर्थव्यवस्था में एक उपभोक्ता के रूप में निवेश करता है और इस प्रकार से वह सरकारी खजाने में योगदान देता है। वह न केवल गरीबों, बल्कि उन लोगों का भी बोझ उठाता है, जो सरकारी खजाने में योगदान नहीं करते हैं। समानांतर रूप में देखें तो परोक्ष करों पर सरकार की निर्भरता और बढ़ गई है। परोक्ष करों का हिस्सा अब सकल कर राजस्व का लगभग आधा है। लगभग एक दशक पहले यह 40 प्रतिशत से भी कम था। अर्थव्यवस्था के लिए यह सही स्थिति नहीं है। यह भी देखने में आया है कि गरीबों और मध्य वर्ग के लोगों से परोक्ष कर उनकी आय के अनुपात के रूप में अधिक प्राप्त होता है।

मध्य वर्ग एक बड़े निर्वाचन क्षेत्र की तरह है जिसका दायरा व्यापक है। उसकी खर्च करने की क्षमता (90 हजार रुपये से लेकर साढ़े तीन लाख रुपये तक सालाना है) के पैमाने में लगभग 40 प्रतिशत देशवासी शामिल हो जाएंगे। भोजन, आश्रय और अन्य मूल बातों के बाद वे अपनी आमदनी का लगभग एक तिहाई हिस्सा उपभोक्ता वस्तुओं, स्वास्थ्य देखभाल और आवास में निवेश आदि में व्यय करते हैं। निम्न मध्य वर्ग औसतन सवा लाख रुपये सालाना खर्च करते हैं। इनमें से अधिकांश प्लंबर, बढ़ई, इलेक्टिशियन से लेकर अनेक प्रकार के संगठित कारोबार से जुड़े हैं। एक बड़ा हिस्सा बाहरी लोगों यानी प्रवासियों का भी है जो देश का अपरिहार्य कार्यबल है। कई लोग आसानी से इस समूह के भीतर आगे बढ़ते हैं और इसी तरह मध्य वर्ग में प्रवेश कर रहे हैं। इस संदर्भ में उल्लेखनीय है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में कई काम सही हुए हैं। पिछले तीन दशकों के तीव्र विकास ने बहुत से लोगों को गरीबी के दायरे से बाहर निकाला है। विकास और जनसांख्यिकी के कारण परिवर्तन और गतिशीलता सहज है। यहां तक कि यदि आधे गरीब मध्य-आय में परिवर्तित होते हैं, तो हम आगामी पांच वर्षों में लगभग 70 करोड़ की आबादी के मध्य वर्ग को देख पाएंगे। इस संबंध में किए गए एक हालिया अध्ययन से यह बात सामने आई है कि मध्य वर्ग में यह विस्तार सामान्य रूप से घरेलू खपत में तेजी लाएगा और विवेकाधीन खर्च को बढ़ाएगा, जो अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण पहलू है। वर्ष 2030 तक दुनिया में एक अरब उपभोक्ता मध्य वर्ग में शामिल हो जाएंगे और हर चौथा मध्यवर्गीय उपभोक्ता भारत में निवास करेगा।

मध्य वर्ग (आकांक्षी) के लगभग 20 प्रतिशत का उपभोग पैटर्न अलग है। वे युवा हैं तथा इनमें से अधिकांश महानगरों में रहते हैं। मनोरंजन, स्वास्थ्य, लक्जरी, ड्यूरेबल्स और गतिशीलता पर खर्च करने की संभावना उनमें अधिक है। क्रय शक्ति अनुरूपता उनकी आय को मजबूती प्रदान करती है और जैसे ही उनकी आय का स्तर समान जीवन शैली में उनके अमेरिकी साथी की आय के एक तिहाई के आसपास पहुंचता है तो ऐसे परिवार वाहन और अपने घर का खर्च वहन करने में सक्षम हो जाते हैं। इससे भोजन, आवास और कपड़े से लेकर विवेकाधीन वस्तुओं की खपत में तेजी आने की संभावना है। इसी तरह प्रत्येक परिवार में कमाई करने वाले सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी समग्र उपयोग (खपत) को बढ़ाती है जिससे अर्थव्यवस्था को बड़ी मजबूती मिलती है। किसी खपत संचालित अर्थव्यवस्था में पैटर्न उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि उपभोग का आकार। यह भारत जैसी असमान अर्थव्यवस्थाओं में अधिक प्रासंगिक है, जहां एक तिहाई लोग केवल मौलिक जरूरतें पूरी कर पाने में सक्षम हैं। ऐसा अब और नहीं होना चाहिए। मध्य वर्ग की आर्थिक व्यापकता पर 16 राज्यों में खपत और आय वर्गों की विविधता पर केंद्रित एक हालिया अध्ययन यह दर्शाता है कि सामान्य रूप से विकास के जटिल तंत्र और विशेष रूप से आर्थिक विकास को समझने के लिए केवल आकार पर्याप्त नहीं है। अध्ययन में उपभोग और विकास के बीच संबंध पर नीति निर्माताओं के बीच समझ की कमी पर भी प्रकाश डाला गया है। उद्यमिता और आविष्कार मध्य वर्ग में निहित हैं, खासकर बेहतरी के लिए। अभाव रहित जीवन उन्हें निवेश करने, तलाशने, आविष्कार करने और कुछ नया करने की सुविधा प्रदान करता है। उनमें उच्च सामाजिक स्तर के प्रति उत्साह होता है। इसके लिए अनुकूलित सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र कायम करने और स्टार्ट-अप पूंजी को बढ़ावा देने से वे कामयाब होंगे। अमीर वर्ग पर आधारित विकास की तुलना में मध्य आय आधारित विकास की कई अन्य विशेषताएं भी हैं। दरअसल मजबूत मध्य वर्ग एक आर्थिक संबल है, जो मंदी के खिलाफ हमारी अर्थव्यवस्था को एक सुरक्षा जाल प्रदान करता है। वे विश्वास का स्नोत और मेहनती हैं, जो व्यापारिक लेन-देन को ज्यादा कुशल बनाते हैं। वे शिक्षा और स्वास्थ्य में निवेश करते हैं, मानव पूंजी का निर्माण करने सहित कई अन्य सामाजिक मापदंडों को आगे बढ़ाते हैं। सरकार को इस दिशा में अधिक ध्यान इसलिए भी देना चाहिए, क्योंकि एक कमजोर मध्य वर्ग शासन के लिए नुकसानदायी है।

राजनीति राष्ट्रनिर्माण की दीर्घकालीन तप साधना है, आरोप-प्रत्यारोप का खेल नहीं

भारत के वैभव का अनुष्ठान राजनीति है। राष्ट्रजीवन से जुड़े आदर्शों के बिना लोकतांत्रिक राजनीति संभव नहीं। संविधान निर्माताओं ने पूरी राजव्यवस्था का चित्र बनाया है। संविधान में अनेक संस्थाएं हैं। उनका सम्मान सबका कर्तव्य है। संसदीय जनतंत्र में राजनीतिक विचारधाराएं दलों के माध्यम से व्यक्त होती हैं। चुनाव में किसी दल या समूह को बहुमत मिलता है। उसे पांच वर्ष के लिए काम करने का संवैधानिक अधिकार है। विपक्ष सरकार की आलोचना करता है, लेकिन कुछ समय से सरकारों के शासन करने के अधिकार को चुनौती दी जा रही है। विधायिका द्वारा पारित कानूनों को भी खारिज किया जा रहा है। यह स्थिति संवैधानिक जनतंत्र के लिए भयावह है। नीति आयोग की हालिया बैठक में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इसी निराशाजनक राजनीति पर दुख प्रकट करते हुए कहा कि प्रत्येक छोटी-बड़ी घटना का राजनीतिकरण हो रहा है। सरकारों के प्रत्येक काम को वोट के नजरिये से देखा जाता है। पटनायक ने कहा कि परिपक्व जनतंत्र में निर्वाचित सरकार को जनहित में काम करने का अवसर मिलना ही चाहिए।

भारत का माहौल वास्तव में चिंताजनक है। यहां छोटी-छोटी घटनाओं का भी राजनीतिकरण होता है। ऐसा राजनीतिकरण हिंसक आंदोलन का रूप भी लेता है। कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होती है। भारत की विश्व प्रतिष्ठा, समृद्धि और आत्मनिर्भरता राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा है। सबको साथ लेकर सबका विकास प्रधानमंत्री मोदी का एजेंडा है, लेकिन यहां प्रधानमंत्री की गरिमा का भी ध्यान रखा नहीं जाता। प्रधानमंत्री की गरिमा और अधिकार संपन्नता के औचित्य पर डॉ. आंबेडकर ने संविधान सभा में कहा था, 'प्रधानमंत्री मंत्रिपरिषद के भवन की नींव है। जब तक हम उसे ऐसी अधिकारपूर्ण स्थिति प्रदान न कर सकें तब तक मंत्रिमंडल की जवाबदेही तय नहीं होगी।' कल्पनाओं का भी राजनीतिकरण आश्चर्यजनक है। कुछ समय पहले काल्पनिक सहिष्णुता का प्रेत प्रचारित किया जा रहा था। नकारात्मक राजनीति के पक्षधर सिद्ध कर रहे थे कि भारत में घोर अव्यवस्था है। संविधान विहीनता है।

असहिष्णुता के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बनाया गया। राष्ट्रहित की क्षति हुई। विदेश नीति पर भी ऐसी राजनीति द्वारा नकारात्मक टिप्पणियां की जाती हैं। पूछा जाता है कि चीनी सेना की वापसी के प्रमाण क्या हैं? नकारात्मक अभियान के कारण राफेल पर भी गैरजिम्मेदार बयानबाजी हुई और बोफोर्स तोपों पर भी। पाकिस्तान पर हुई सर्जिकल स्ट्राइक पर भी भारत की प्रतिष्ठा गिराने वाले बयान दिए गए। कोरोना महामारी पर भारत सरकार के कार्यों की प्रशंसा विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी की है। दुनिया प्रशंसा कर रही है, लेकिन यहां कभी टीके पर शंका उठाई जाती है और कभी लॉकडाउन के समय को लेकर।

भारत की राजनीतिक नियति यह नहीं है। यहां राजनीति और राजव्यवस्था का विकास प्राचीन काल में ही हो गया था। ब्रिटिश संसद का जन्म और विकास बाद में हुआ। ऋग्वेद, यजुर्वेद में समृद्ध राष्ट्र की अभिलाषाएं हैं। अथर्ववेद में कहा गया है कि राज्य संस्था का क्रमिक विकास हुआ है। प्राचीन राजव्यवस्था में राजा सभा समिति के प्रति जवाबदेह था। ऋषियों के तप बल से राष्ट्र का जन्म हुआ। राष्ट्र और राजनीति को जन्म देने वाले ये ऋषि वस्तुतः उस समय के राजनीतिक कार्यकर्ता हैं। यहां राजधर्म या नीतिशास्त्र का विकास कम से कम छह हजार वर्ष पहले ही शुरू हो गया था। कौटिल्य का अर्थशास्त्र ईसा से 340 वर्ष पूर्व का माना जाता है। कौटिल्य ने अपने पूर्ववर्ती राजनीतिक चिंतकों वृहस्पति, शुक्राचार्य, भारद्वाज, पराशर आदि के उल्लेख किए हैं। शुक्रनीति में उल्लेख है, 'नियुक्ति-पदोन्नति योग्यता और कार्य के आधार पर ही होनी चाहिए। जाति या कुल के आधार पर नहीं। जातियां श्रेष्ठता की मापदंड नहीं हैं।' प्राचीन भारत में राजनीतिशास्त्र के कई नाम थे। इसे दंडनीति, अर्थशास्त्र और राजधर्म आदि नामों से जाना जाता था, लेकिन सबसे ज्यादा लोकप्रिय नाम था नीतिशास्त्र। नीति वस्तुतः राज्य की नीति है। राजा में लोक संग्रह और नेतृत्व का गुण जरूरी बताया गया है। नेता ही जनता को गतिशील करता है। गतिशील समाज प्रगतिशील होता है। शुक्र नीति के अनुसार राजा के सुयोग्य नेता न होने के कारण प्रजा विपत्ति की नाव में डूब जाती है। महाभारत शांतिपर्व में समाजसेवा व्यक्ति निर्माण, राष्ट्र निष्ठा आदि आधारभूत सांस्कृतिक तत्वों को राजनीति से जोड़ा गया है।

समाज व्यवस्था इकहरी नहीं होती। समाज की एक संस्कृति होती है। एक दर्शन होता है। एक अर्थनीति होती है और सभी प्राप्तियों के लिए एक व्यावहारिक राजनीति भी होती है। राजनीति को संस्कृति और नैतिकता के बंधन और मर्यादा में रहना चाहिए। मर्यादा का अनुशासन संविधान है। संविधान में मूल कर्तव्य भी हैं, लेकिन ध्येय शून्य राजनीति समाज निर्माण के आदर्श पर आक्रामक हैं। शाहीन बाग, नागरिकता संशोधन कानून विरोध, किसान आंदोलन जानबूझकर तिल का ताड़ बनाए गए हैं। मूलभूत प्रश्न है कि विधिनिर्वाचित सरकारें जनहित में अपनी कार्यसूची क्यों नहीं चला सकतीं? अल्पमत बहुमत वाली सरकार पर अपना निर्णय कैसे थोप सकता है? यह आदर्श राजनीति नहीं है। प्रधानमंत्री भी कई अवसरों पर ऐसी ही बातें कर चुके हैं। संकीर्ण राजनीति माहौल खराब करती है। संप्रति भारत में समूची राजनीति को हेय माना जाता है। इस कारण अच्छे राजनीतिक कार्यकर्ता भी उचित सम्मान नहीं पाते। आम धारणा में सब धान बाईस पसेरी हैं।

स्वतंत्रता के पैमाने

दुनिया भर में लोकतंत्र की स्थिति पर नजर रखने वाले एक अमेरिकी एनजीओ फ्रीडम हाउस की ताजा रिपोर्ट वैसे तो वैश्विक स्तर पर इसकी मौजूदा दशा को चिंताजनक बताती है, लेकिन अभी इसकी चर्चा इसलिए हो रही है क्योंकि इस बार भारत के स्टेटस को इसने फ्री (स्वतंत्र) से घटाकर पार्टली फ्री (आंशिक रूप से स्वतंत्र) कर दिया है। हर भारतीय के लिए यह बात तकलीफदेह होगी कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित और अपने लोकतांत्रिक मूल्यों, परंपराओं के लिए हर जगह समादृत हमारे देश को आंशिक रूप से ही स्वतंत्र माना जाए। सीधे शब्दों में इसका मतलब यह हुआ कि इस देश के नागरिक पूरी तरह स्वतंत्र नहीं हैं। स्वयं अमेरिका की नजरों में अपनी सीमाओं से बाहर लोकतंत्र और मानवाधिकारों का क्या स्थान रहा है और दुनिया में कहां-कहां इसने तानाशाहों और रंगभेद जैसी मनुष्य विरोधी मान्यताओं को संरक्षण दिया है, यह कोई बताने की बात नहीं है। जहां तक फ्रीडम हाउस और उसकी इस रिपोर्ट का सवाल है तो इसे लेकर भी सोशल मीडिया पर जारी बहस में तीखा विभाजन दिखता है। कुछ लोग इसे स्वयंसिद्ध प्रमाण की तरह उद्धृत कर रहे हैं तो कुछ सीधे खारिज कर रहे हैं। लेकिन अहम बात यह नहीं है कि इस रिपोर्ट को हम कितना वजन देते हैं, बल्कि यह है कि इस रिपोर्ट में दर्ज ऐतराजों की कितनी तपिश हम खुद अपनी चमड़ी पर महसूस करते हैं।

इस लिहाज से रिपोर्ट के कुछ बिंदु पूरी तरह सब्जेक्टिव लगते हैं। जैसे, देश में कोरोना का प्रकोप शुरू होते ही घोषित लॉकडाउन को जरूरत से ज्यादा सख्त बताना। ऐसी महामारी के बीच किसी भी जिम्मेदार सरकार की सबसे बड़ी चिंता लोगों का आपसी संपर्क कम से कम रखने की ही होगी। अचानक लागू लॉकडाउन के चलते प्रवासी मजदूरों और अन्य लोगों को हुई तकलीफें हर संवेदनशील मन को परेशान करती रही हैं, लेकिन उस आधार पर बाहर से किसी का यह कहना उचित नहीं लगता कि देश में स्वतंत्रता कम है। दूसरी तरफ इसी रिपोर्ट में कुछ ऐसी ऑब्जेक्टिव बातें भी हैं जिन्हें नजरअंदाज करना हमारे लिए अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा। जैसे पुलिस द्वारा दर्ज किए गए राजद्रोह के मामलों में तेज बढ़ोतरी, पत्रकारों के खिलाफ दमनात्मक कार्रवाई में इजाफा, कोरोना जेहाद की बात कह कर एक धार्मिक समुदाय को महामारी का दोषी बताना आदि। हमें समझना होगा कि इस रिपोर्ट पर या रिपोर्ट लाने वाली संस्था के इरादों पर संदेह करके हम ऐसे बेचैन कर देने वाले सवालों से आंखें नहीं मूंद सकते। इसलिए पहली जरूरत इस बात की है कि बाहर या भीतर, कहीं से भी अगर कोई हमारी सरकार की खामियां गिनाता है तो उसे शत्रु मानते हुए उसपर चढ़ दौड़ने की प्रवृत्ति से बाज आया जाए। बेहतर हो कि सरकार हर संजीदा आलोचना का सम्मान करे और उसका संबंध अगर लोकतांत्रिक मूल्यों से हो तो उसे और ज्यादा गंभीरता से ले। हम अपने सिस्टम को अधिक से अधिक न्यायपूर्ण बनाए रखें तो ऐसी रिपोर्टों का कोई मतलब ही नहीं बचेगा।

मोदी शासन की मजबूत सरकार वाली छवि ने पाकिस्तान और चीन को भारत से संबंध सुधारने के लिए कर दिया मजबूर

फिलहाल यह लगता है कि चीन के होश ठिकाने आए हैं। जो भी हो, भारत सरकार और साथ ही यहां के उद्योग जगत और जनता को आत्मनिर्भरता हासिल करने पर अडिग रहना चाहिए। पैंगोंग से चीनी सेना की वापसी का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि भारत के बाजार चीन के लिए पहले की तरह खुल जाएं। चीन की आर्थिक ताकत का मुकाबला आर्थिक रूप से मजबूत होकर ही किया जा सकता है। यह भी ध्यान रहे कि हमारी उत्पादकता जब तक चीन के स्तर पर नहीं पहुंचती, तब तक विश्व बाजार पर उसके आधिपत्य को खत्म करना आसान नहीं। यह आधिपत्य खत्म करना भारत का लक्ष्य होना चाहिए।

पहले लद्दाख के पैंगोंग इलाके से चीनी सेना के पीछे लौटने और फिर पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम पर सहमत हो जाने से मोदी शासन की मजबूत सरकार वाली छवि और पुख्ता हुई है। चीन और पाकिस्तान के साथ यह जो सहमति बनी, उससे भारतीय सेना को एक बड़ी राहत भी मिली है। लद्दाख में चीन से टकराव वाली स्थिति तभी से बनी हुई थी, जब गलवन में दोनों देशों के सैनिकों के बीच खूनी झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 सैनिक शहीद हो गए थे। चीनी सेना को भी अच्छी-खासी क्षति उठानी पड़ी थी, लेकिन वह उसे स्वीकार करने में आनाकानी करता रहा। चीन के साथ अभी बातचीत जारी है, क्योंकि लद्दाख में अन्य इलाकों से भी चीनी सेना को पीछे हटना है। देखना है कि इन इलाकों से वह कदम कब पीछे खींचती है? चीन से सैन्य तनातनी ऐसे समय जारी थी, जब जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान संघर्ष विराम का उल्लंघन करने में लगा हुआ था। यह उल्लंघन आतंकियों की घुसपैठ के लिए ही होता था।

भारत कई दशकों से पाकिस्तानी सेना प्रायोजित आतंकवाद से त्रस्त है। उसने कश्मीर में एक अघोषित युद्ध छेड़ रखा था तो इसीलिए कि कश्मीर में आतंक फैलाया जा सके। उसका काम इसलिए आसान हो गया था, क्योंकि कश्मीर में कई अलगाववादी गुट उसके इशारों पर काम कर रहे थे। इन गुटों को खुराक मिलती थी जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 से। इन गुटों के प्रति कश्मीर के राजनीतिक दल और खासकर

नेशनल कांफ्रेंस और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की हमदर्दी भी रहती थी।

मोदी सरकार ने अनुच्छेद 370 हटाकर अलगाव की राजनीति पर तगड़ी चोट तो की ही, पाकिस्तान के मंसूबों पर भी पानी फेरने का काम किया। चूंकि अनुच्छेद 370 हटने के साथ ही कश्मीर के अलगाववादी एवं आतंकियों को पनाह देने वाले तत्वों की कमर टूट गई और आजादी की मांग ने भी दम तोड़ दिया, इसलिए पाकिस्तानी सेना की ओर से सीमा पर गोलीबारी कर आतंकियों की घुसपैठ कराना भी निरर्थक साबित होने लगा। अब कश्मीरी लोग भी यह समझने लगे हैं कि अलगाववाद की राजनीति करने वाले उन्हें मोहरा बनाए हुए थे।

कश्मीरी अवाम की सोच बदलने के साथ ही पाकिस्तान पोषित आतंकी गुटों का काम मुश्किल होता जा रहा है। भारतीय सुरक्षा बल आतंकियों का सफाया करने के साथ घुसपैठ रोकने के लिए भी कमर कसे हुए हैं। भारत ने पहले सर्जिकल स्ट्राइक और फिर एयर स्ट्राइक करके पाकिस्तान को यह बता दिया कि वह आतंकियों की खेप तैयार कर भारत भेजेगा तो उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। आतंकियों को पालने-पोसने के चलते पाकिस्तान पर एफएटीएफ की जो तलवार लटक रही है, उसकी भी वह अनदेखी करने की स्थिति में नहीं।

पाकिस्तान संघर्ष विराम समझौते का पालन करने के लिए शायद इसलिए भी तैयार हुआ, क्योंकि एक तो उसकी आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है और दूसरे, सीमा पर गोलीबारी का उसे करारा जवाब भी मिल रहा। भारत ने सदैव ही पाकिस्तान से शांतिपूर्ण संबंध कायम रखने की कोशिश की है। मोदी सरकार ने पहली बार भारतीय शासन की कमान संभालने के अवसर पर सभी पड़ोसी देशों के साथ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को भी आमंत्रित किया था। वह अफगानिस्तान से लौटते समय नवाज शरीफ की नातिन की शादी में शामिल होने लाहौर भी गए। इसके बाद भी पाकिस्तान ने भारत विरोधी हरकतें बंद नहीं कीं।

चूंकि पाकिस्तानी सेना भारत से बैर भाव रखकर अपने स्वार्थ साधती है, इसलिए यह कहना कठिन है कि संघर्ष विराम को लेकर जो सहमति बनी, वह कायम रहेगी या नहीं? वास्तव में पाकिस्तानी सेना से तब तक सचेत रहना होगा, जब तक इसके प्रमाण न मिल जाएं कि उसने भारत से बदला लेने के अपने एजेंडे का परित्याग कर दिया है। यदि पाकिस्तानी सेना संघर्ष विराम समझौते का पालन करने के साथ आतंकियों की भारत में घुसपैठ कराना बंद कर देती है तो फिर पाकिस्तान से संबंध सुधर सकते हैं और इसके नतीजे में उसके साथ व्यापार भी शुरू हो सकता है। ऐसा होने से भारत और पाकिस्तान, दोनों को आर्थिक लाभ मिलेगा।

जैसे पाकिस्तान कश्मीर को हड़पने का मंसूबा पाले हुए है, उसी तरह चीन भी भारत के बढ़ते कद को कम करने की फिराक में है। हालांकि सीमा विवाद के बाद भी चीन के साथ भारत के व्यापारिक संबंध अच्छे रहे। भारत में चीन से आयात बढ़ रहा था। व्यापार घाटा कम करने के भारत सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी एक बड़ी संख्या में भारतीय कंपनियां कच्चा माल चीन से ही मंगाती थीं। चीनी कंपनियों का भारत में निवेश भी बढ़ रहा था, लेकिन गलवन की घटना ने सब कुछ बदलकर रख दिया। भारत ने सीमा पर चीन का डटकर मुकाबला करने के साथ ही उस पर आर्थिक प्रतिबंध भी लगाने शुरू कर दिए। चीनी कंपनियों के निवेश पर लगाम लगाने के साथ उनके तमाम एप्स पर पाबंदी लगाकर भारत ने यही जाहिर किया कि अब सब कुछ पहले जैसा रहने वाला नहीं है। चीन की आर्थिक ताकत का सामना करने के लिए मोदी सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान भी छेड़ा। फिलहाल यह लगता है कि चीन के होश ठिकाने आए हैं। जो भी हो, भारत सरकार और साथ ही यहां के उद्योग जगत और जनता को आत्मनिर्भरता हासिल करने पर अडिग रहना चाहिए। पैंगोंग से चीनी सेना की वापसी का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि भारत के बाजार चीन के लिए पहले की तरह खुल जाएं। चीन की आर्थिक ताकत का मुकाबला आर्थिक रूप से मजबूत होकर ही किया जा सकता है। यह भी ध्यान रहे कि हमारी उत्पादकता जब तक चीन के स्तर पर नहीं पहुंचती, तब तक विश्व बाजार पर उसके आधिपत्य को खत्म करना आसान नहीं। यह आधिपत्य खत्म करना भारत का लक्ष्य होना चाहिए।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

प्रधान पद के आरक्षण को लेकर आपत्तियां अधिक, आज से शुरू होगा निस्तारण

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव में आरक्षण को लेकर आपत्तियां दर्ज कराने की अवधि सोमवार को पांच बजे पूरी हो जाने के बाद बुधवार से निस्तारण कार्य शुरू हो जाएगा। जिलों में दर्ज करायी गई आपत्तियों में ग्राम प्रधान पद के आरक्षण से संबंधित अधिक है। जिलों और ब्लाकों में सूचियों का अंतिम प्रकाशन 13-14 मार्च को होगा। 15 मार्च तक आरक्षण प्रक्रिया पूरी होगी। निर्वाचन कार्यक्रम मार्च के अंतिम सप्ताह में जारी होने से साथ ही आदर्श आचार संहिता लागू होने की उम्मीद है।

अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह ने बताया कि नौ मार्च को जिलों में आपत्तियां एकत्रित करने का कार्य शुरू किया जाएगा। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति आपत्तियों का निस्तारण करेगी। समिति में मुख्य विकास अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत और जिला पंचायत राज अधिकारी सदस्य है।

बता दें कि प्रदेश में 75 जिलों में कुल 58,194 ग्राम पंचायतों में प्रधान व ग्राम पंचायत सदस्य 7,31,813 निर्वाचित होंगे। 826 विकास खंडों में क्षेत्र पंचायत व 75 जिला पंचायत अध्यक्षों के अलावा कुल 8,10,719 ग्राम, क्षेत्र व जिलों में वार्ड सदस्य पदों के लिए चुनाव होंगे। प्रदेश में जिला पंचायत अध्?यक्ष के लिए अनुसूचित जाति

संवर्ग में छह महिला समेत कुल 16 सीटें आरक्षित की गई हैं। अन्?य पिछड़ा वर्ग में सात महिला समेत कुल 20 सीटें आरक्षित की गई हैं, जबकि महिलाओं के लिए 12 सीटों के अलावा 27 अन्?य सीटें अनारक्षित की गई हैं। जिला पंचायत अध्?यक्ष के लिए सभी वर्गों की मिलाकर महिलाओं के लिए कुल 25 सीटें आरक्षित की गई हैं।

बकाया भुगतान कराने को सौंपा ज्ञापन : उत्तर प्रदेश ग्राम प्रधान संगठन के पदाधिकारियों ने अपर मुख्य सचिव पंचायतीराज मनोज कुमार सिंह से मिलकर ग्राम पंचायतों में बकाया भुगतान न होने से बने हालात पर चिंता जाहिर की। अध्यक्ष कौशल किशोर पांडेय के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि ग्राम पंचायतों के कार्यकाल का अवसान होने के दो माह बीतने के बाद निर्माण कार्यों का भुगतान नहीं हो सका है। सहायक विकास अधिकारियों को बतौर प्रशासक कार्यभार सौंपा जा चुका है। शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को करीब एक करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गयी थी। प्रत्येक सामुदायिक शौचालय के निर्माण को 4.5 से लेकर दस लाख रुपये की धनराशि अनुमन्य की गयी थी। ऐसे में ग्राम प्रधानों द्वारा शौचालयों को निर्माण कराया गया। निर्माण कार्यों की लागत आवंटित धनराशि से अधिक हो गयी, जिस कारण गांवों में भुगतान संकट जैसे हालात है।

निष्पक्ष आरक्षण पर जताया आभार - ग्राम प्रधान संगठन पदाधिकारियों ने अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह व निदेशक किंजन सिंह से मिलकर पंचायतों में चक्रानुक्रम आरक्षण की निष्पक्ष व पारदर्शी नीति लागू करने पर आभार जताया। प्रवक्ता ललित शर्मा ने कहा कि सभी क्षेत्रों में एक समान नियम बनाने से विवाद नहीं के बराबर होंगे।

वरिष्ठ नागरिक पटना में कोविड वैक्सीन की पहली खुराक प्राप्त करने के लिए अपनी बारी का इंतजार करते हुए ।

बिहार विधानसभा में सीएम नीतीश का इलाज करने आला लेकर पहुंचे विधायक, कहा- जरूरत हुई तो दवा भी दूंगा

पटना । बिहार विधानसभा के बजट सत्र में एक से बढ़कर एक तस्वीरें देखने को मिल रही हैं। लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद के एक विधायक डॉ. मुकेश रौशन मंगलवार को आला और बीपी मशीन लेकर पहुंच गए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत आजकल खराब चल रही है। उनका इलाज करना जरूरी है। वे नहीं चाहते कि मुख्यमंत्री को कोई नुकसान हो। राजद विधायक ने यहां तक कहा कि जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री के दवा भी देंगे।

विरोध जाहिर करने का अपनाया तरीका- राजद विधायक डॉ. मुकेश रौशन ने सरकार का विरोध करने का अनोखा तरीका अपनाया। उनका कहना था कि मुख्यमंत्री आजकल बात-बात पर नाराज हो जाते हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि वे मुख्यमंत्री का आदर करते हैं। इसलिए उनका इलाज वे खुद करेंगे। मुकेश रौशन बिहार के वैशाली जिले के अंतर्गत महुआ विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं। वे डेंटल सर्जन भी हैं। हालांकि विधानसभा में अपने क्षेत्र से अलग बीमारियों का इलाज करने का दावा लेकर पहुंचे थे।

सोमवार को बिहार विधानसभा में अप्रिय स्थिति हो गई थी। राजद के विधान पार्षद सुबोध कुमार की ओर से बार-बार टोका-टोकी से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नाराज हो गए थे। उन्होंने राजद विधान पार्षद को फटकार लगाते हुए कहा था कि सदन में नियम के अनुसार ही काम हो।

जब सुबोध, मुख्यमंत्री के मना करने पर भी बोलते गए तो उन्होंने कड़े शब्दों में विधान पार्षद को बैठने की नसीहत दी थी। इस

घटनाक्रम के बाद राजद विधान पार्षद सुबोध तत्काल तो चुप हो गए थे, लेकिन सदन से बाहर निकलने के बाद कहा था कि मुख्यमंत्री कोई बाघ नहीं जो उनको खा जाएंगे। राजद नेताओं ने बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री का लगातार विरोध करने की बात कही थी।

यूपी में एक बार फिर चर्चा में भैंस चोरी का मामला, भैंसे का डीएनए टेस्ट करा लगेगा असली मालिक का पता

शामली । शामली में भैंसा चोरी के मामले में पुलिस अधीक्षक के पास भैंसा स्वामी ने अजब मांग रखी है। जनपद में एक किसान ने अपने चोरी हुए भैंसा को तलाश लिया, लेकिन भैंसा के स्वामित्व को लेकर विवाद बन चला। किसान ने सच का पता लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर भैंसा का डीएनए टेस्ट कराने की मांग की है। इस मामले की वीडियो भी वायरल हुई है।

दरअसल, झिंझाना के गांव अहमदगढ़ निवासी किसान चंद्रपाल का भैंसा अगस्त 2020 में चोरी हो गया था। उसने पुलिस को सूचना दी थी। उसे दस दिन में भैंसा तलाशने का आश्वासन दिया गया, लेकिन भैंसा नहीं मिला। पुलिस ने तलाश जारी होने की बात कही। अब किसान ने अपना भैंसा तलाश लिया। भैंसा सहारनपुर जनपद के गंगोह के गांव बीनपुर में किसान सत्यवीर सिंह के घेर में बंधा है। भैंसा की पहचान करने के बाद चंद्रपाल ने पुलिस को बताया तो पुलिस किसान के साथ बीनपुर जा पहुंची। वहां सत्यवीर ने भैंसा अपना बताया।

स्वामित्व को लेकर विवाद बन चला। गांव प्रधान व ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने भैंसा सत्यवीर का बताया। विवाद बनता देख पुलिस व किसान वापस लौट आए। अब किसान चंद्रपाल ने पुलिस अधीक्षक को पत्र भेजकर कहा कि भैंसा की मां (भैंस)उसके घर में आज भी मौजूद है। इसलिए भैंसा व उसकी मां का डीएनए टेस्ट कराकर सच का पता लगाया जाए। मामले की सोमवार देर शाम एक वीडियो वायरल हुई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि किसान को मंगलवार को बुलाया गया है।

याद हो इससे पहले यूपी में सपा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान की भैंस चोरी होने का मामला खूब सुर्खियों में रहा था। उनकी भैंसों को ढूंढने के लिए पुलिस प्रशासन ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था और एक-एक कर सारी भैंसे मंत्री जी के तबेले में पहुंचा दी गई थी।

संक्षिप्त खबर

सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुंदेलखंड लोंगों को दिया योजनाओं का तोहफा, बोले- विकास का कोई विकल्प नहीं

झांसी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुंदेलखंड के दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को झांसी पहुचे। इस दौरान सीएम योगी ने झांसी मंडल की 78 विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। जीआइसी ग्राउंड पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सरकार की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि झांसी मंडल की 1100 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण और 564 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास आज किया गया है। उन्होंने कहा कि धरती का स्वर्ग बनने की क्षमता बुंदेलखंड में थी, लेकिन यहां आजादी की बाद की सरकारों ने यहां के प्राक्रतिक संसाधनों का दोहन अपने स्वयं और अपने परिवार के लिए हित में किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड के नौजवानों को रोजगार मिले, यहां खुशहाली आ सके, हर खेत को पानी मिल सके और हर घर में नल की योजना पहुंच सके, इसके लिए इस परिकल्पना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साकार किया है। विकास सबका, लेकिन तुष्टीकरण किसी का नहीं इस विश्वास के साथ जो विकास कार्य शुरू हुए उसके परिणाम आज दिखने लगे हैं। उन्होंने कहा कि विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता है।

अब घर के पास मिलेंगे प्रशिक्षित प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन व पंप ऑपरेटर; जानिए क्या है नीतीश सरकार की योजना

पटना । नल टूट जाए या बिजली खराब हो जाए, तुरंत अच्छे मैकेनिक नहीं मिलते हैं। यह समस्या अधिकांश लोगों की है। सोचिए, आपके घर के पास ही प्रशिक्षित प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन व पंप ऑपरेटर उपलब्ध हो जाए तब बिहार में अब ऐसा ही होने जा रहा है। नीतीश सरकार हर घर नल का जल योजना का बेहतर प्रबंधन करने के लिए अनुमंडल स्तर पर प्लंबर, इलेक्ट्रिशियन और पंप ऑपरेटर को अप्रैल से ट्रेनिंग दिलाने जा रही है। प्रत्येक अभ्यर्थी के प्रशिक्षण पर एक हजार रुपये खर्च होंगे। इसके लिए श्रम संसाधन विभाग ने एजेंसी का चयन कर लिया है। चालू वर्ष में 44,546 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिलाने का लक्ष्य है।

चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण की व्यवस्था- श्रम संसाधन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक प्रशिक्षण में पूर्व से जानकारी रखने वाले या कार्यरत प्लंबर और इलेक्ट्रिशियन को भी प्रशिक्षित किया जाएगा। कौशल का मूल्यांकन एवं मानक प्रशिक्षण मैनुअल के अनुरूप किया जाएगा। बिहार कौशल विकास मिशन द्वारा सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से चयनित अभ्यर्थियों की ट्रेनिंग दिलायी जाएगी। प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण की व्यवस्था के लिए नोडल अफसर तैनात किए जा रहे हैं।

11 दिनों में पूरा किया जाएगा प्रशिक्षण कोर्स- मिली जानकारी के मुताबिक प्रशिक्षण कोर्स/ पाठ्यक्रम 80 घंटे एवं एक मूल्यांकन दिवस का होगा। प्रशिक्षण अवधि आठ घंटे प्रतिदिन की होगी। प्रशिक्षण कुल 11 दिनों में पूरा किया जायेगा। इसके लिए लाभार्थियों के चयन की जिम्मेदारी प्रांजल की होगी, जो अपनी आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षण के लिए बैच के निर्माण में सहायता करेगा तथा प्रत्येक बैच को प्रशिक्षण से पूर्व मंजूरी देगा।

प्रेमिका से मिलने चुपके से घर पहुंचे प्रेमी, फिर तो यह होना ही था

लखीसराय । महिला दिवस के मौके पर एक प्रेमी को चुपके से अपनी प्रेमिका से मिलना महंगा पड़ गया। लखीसराय थाना क्षेत्र के खैरी गांव से चानन थाना क्षेत्र के मननपुर बाजार आए प्रेमी की शादी करा दी गई। सोमवार को खैरी गांव निवासी रामोतार साव के पुत्र रामदुलार साव अपनी प्रेमिका से मिलने मननपुर बाजार आ गया। लड़की वालों ने लड़के को देखते ही कमरे में उसे बंद कर दिया और चानन थाना पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना पर एक चौकीदार पहुंचा और जानकारी ली। लड़की के स्वजनों ने समाज की मदद से स्थानीय शिव मंदिर में शादी करा दी। इस दौरान वहां सैकड़ों की संख्या में भीड़ लगी रही। मननपुर बाजार निवासी मनोज साव की बेटी ललिता देवी ने बताया कि वह बालिग है और रामदुलार साव से दो साल से प्यार कर रही है। राजी-खुशी शादी करके लड़के के घर वालों को इसकी सूचना दी गई है। उधर लड़का रामदुलार साव ने बताया कि उसे साजिश के तहत बुलाया गया और कमरे में बंद कर दिया गया। इसके बाद स्थानीय लोगों ने उसकी शादी करा दी। चानन थानाध्यक्ष वैभव कुमार ने बताया कि लड़का-लड़की को एक साथ देखकर लड़की वाले ने लड़के को कब्जे में कर लिया और दोनों की शादी करा दी है। ऐसी सूचना मिली है। यदि दोनों बालिग है तो शादी मान्य मानी जा सकती है।

लालू यादव के गार्ड तकिया-गद्दा लेकर भागे, चिट्ठी के बाद मची खलबली...

रांची । बिहार के नेता प्रतिपक्ष, राजद नेता तेजस्वी यादव के पिता बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की सुरक्षा में लगे जवान तकिया और गद्दा भी साथ ले गए। रिम्स अस्पताल ने रांची के एसएसपी को चिट्ठी लिखकर जवानों से तकिया-गद्दा वापस कराने की मांग की है। पुलिस महकमे में इस चिट्ठी से हड़कंप मचा है।

रांची के रिम्स में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। रिम्स में इलाजरत चारा घोटाला के चार मामलों के सजायाफ्ता राजद सुप्रीमो लालू यादव की सुरक्षा में तैनात जवानों ने वापस जाते समय रिम्स अस्पताल के द्वारा उपलब्ध करवाये गए गद्दे और तकिया भी साथ लेते गए। इसके बाद रिम्स प्रशासन ने रांची के एसएसपी को तकिया और गद्दा वापस दिलाने के लिए पत्र भेजा है।

दरअसल चारा घोटाले मामले में सजायाफ्ता लालू प्रसाद यादव जब रिम्स के केली बंगले में रहकर अपना इलाज करवा रहे थे ,उस समय लालू की सुरक्षा में रांची पुलिस के 10 पुलिसकर्मी भी तैनात थे।

रिम्स प्रबंधन की तरफ से सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों के लिए गद्दा और तकिया उपलब्ध करवाया गया था। इसी बीच बिहार के एक विधायक को फोन करने के मामले को लेकर हुए विवाद के बाद लालू प्रसाद यादव को दुबारा पेइंग वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। केली बंगला खाली होने के बाद लालू की सुरक्षा में तैनात जवानों को भी वहां से हटा दिया गया, लेकिन जाते-जाते पुलिस के जवान केली बंगले से गद्दा और तकिया भी साथ लेकर चलते बने।

कई बार तकिया और गद्दे की मांग की, पर नहीं लौटाया

मामले की जानकारी मिलने के बाद रिम्स प्रबंधन ने जो जवान सुरक्षा में तैनात थे उनसे कई बार तकिया और गद्दे की मांग की, लेकिन जब नहीं मिला तब उन्होंने रांची के सीनियर एसपी को बकायदा इस मामले में पत्र लिखा और तकिया और गद्दा उपलब्ध करवाने का आग्रह किया। मामले की जानकारी मिलने के बाद रांची के एसएसपी ने इसे गंभीरता से लेते हुए लालू प्रसाद यादव की सुरक्षा में लगे दो हवलदार और आठ आरक्षी पुलिस कर्मियों को यह आदेश दिया है कि वह जल्द से जल्द गद्दा और तकिया रिम्स को वापस करें।

इसके लिए एसएसपी ने जवानों को 24 घंटे का मात्र अल्टीमेटम दिया है,अगर इस अल्टीमेटम के दौरान भी गद्दा और तकिया जमा नहीं होता है तो पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो सकती है। मामले को लेकर सीनियर एसपी ने जवानों से स्पष्टीकरण की मांग भी की है। दरअसल रिम्स प्रबंधन ने गद्दा और तकिया सिंह टेंट हाउस से भाड़े पर लिया था अब चूंकि जवान उसे लौटा नहीं रहे हैं तो रिम्स प्रबंधन पर अतिरिक्त किराया का भार भी बढ़ गया है।

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना से मिलेगी सीमांत जिले को मिलेगी नई पहचान, हर गांव में होगा हल्दी का उत्पादन

पिथौरागढ़ । वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के तहत हल्दी सीमांत जिले को नई पहचान दिलाएगी। इस योजना में शामिल किए जाने के बाद उद्यान विभाग ने हल्दी उत्पादन को बढ़ावा दिए जाने की कवायद शुरू कर दी है। प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी 13 जिलों में एक विशेष उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वन डिस्ट्रिक्ट वन वन प्रोडक्ट योजना लांच की है। इसके तहत हर जिले के लिए उत्पाद तय किए गए हैं। इस योजना के तहत सीमांत जिले में हल्दी उत्पादन को शामिल किया गया है।

उत्पादन को बढ़ावा दिए जाने की जिम्मेदारी उद्यान विभाग को सौंपी गई है। उद्यान विभाग ने हल्दी उत्पाद को बढ़ावा देने का खाका खींच लिया है। विभाग ने इस वर्ष हल्द्वानी का 350 कुंतल बीज मंगाया है। हल्दी बीज किसानों को वितरित किया जा रहा है। पिछले वर्ष तक जिले में मात्र 70 कुंतल बीज ही मंगाया जाता था। उद्यान विभाग जिले के सभी गांवों में हल्दी बीज का वितरण करेगा। इस वर्ष के उत्पादन को देखने के बाद अगले वर्ष इसे दोगुना किया जाएगा। हल्दी उत्पादन से किसानों की आमदनी बेहतर होगी और लोगों को गांवों में ही रोजगार मिलेगा।

जिला उद्यान अधिकारी पिथौरागढ़ आरएस वर्मा ने बताया कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के तहत सीमांत जिले में हल्दी उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस वर्ष जिले में गत वर्ष की तुलना में पांच गुना अधिक हल्दी बीज किसानों में वितरित किया जा रहा है। अगले वर्ष इसे और बढ़ाया जाएगा।

पिथौरागढ़ में लगेगी प्रोसेसिंग यूनिट - सीमांत जिले पिथौरागढ़ में हल्दी उत्पादन को बढ़ाने के साथ ही प्रोसेसिंग यूनिट भी लगाई जाएगी।

किसानों को हल्दी की प्रोसिसिंग की दिक्कत नहीं रहेगी। इसके लिए निजी कंपनियों को आमंत्रित कर लिया गया है। प्रोसेसिंग यूनिट में हल्दी पाउडर तैयार करने के साथ ही पिगमेंट भी निकाला जाएगा। जिसका उपयोग कलर इंडस्ट्री में होगा।

किसानों को बंदरों की समस्या से मिलेगी निजात

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना के तहत चयनित हल्दी उत्पादन को बढ़ावा देने से सीमांत जिले के किसानों को बंदरों के आतंक से भी निजात मिलेगी। हल्दी एक ऐसा उत्पाद है जिसे बंदर नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। प्रगतिशील काश्तकार रघुवर सिंह ने कहा है कि हल्दी उत्पादन को बढ़ावा देने से किसानों की आमदनी में इजाफा होगा।

इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के आह्वान पर बंद का दिखा असर, व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद

प्रयागराज । इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के आह्वान पर आज यानी मंगलवार को प्रयागराज बंद का आह्वान किया गया था। बंदी का शहर में असर दिख रहा है। सिविल लाइंस, एमजी मार्ग, कटरा, जानसेनगंज, चौक आदि की अधिकतर दुकानें बंद हैं। इस बंद का व्यापारियों ने भी समर्थन किया है। हालांकि कुछ इलाकों में दुकानें खुली भी रहीं। अधिवक्ता जुलूस भी निकाल रहे हैं। शहर भर में भ्रमण के लिए जुलूस हाई कोर्ट के निकट से शुरू होकर सिविल लाइन में सुभाष चौराहा से होकर गुजरा।

हाई कोर्ट के अधिवक्ता शिक्षा सेवा अधिकरण को प्रयागराज में स्थापित करने की मांग कर रहे हैं। उनकी मांग नहीं सुनी जा रही है। इस कारण हाईकोर्ट के अधिवक्ता पिछले कई दिन से आंदोलित हैं। अब आंदोलन का स्वरूप बढ़ता जा रहा है। वकीलों के इस आंदोलन में छात्र संघ, व्यापारी, शिक्षक आदि भी जुड़ गए हैं। सोमवार को अधिवक्ताओं ने शहर भर में बाइक रैली निकालकर बंद का समर्थन करने के लिए व्यापारियों से आह्वान किया था।

मंगलवार को बंदी का असर शहर में दिख रहा है। शहर के कई इलाकों के बड़े बाजार आज बंद हैं। जो खुले भी थे उन्हें अधिवक्ताओं ने बंद भी कराया है। सिविल लाइंस और चौक क्षेत्रों में बाजार पूरी तरह बंद हैं। इक्का-दुक्का दुकानें ही खुली हैं। दोपहर में करीब साढ़े 12 बजे तक सुलेमसरांय में बंदी का असर नहीं दिख रहा था। वहां की दुकानें खुली थीं। यही हाल लूकरगंज में भी नजर आया। हालांकि जिन इलाकों में दुकानें खुली हैं, अधिवक्ताओं द्वारा उसे बंद कराया जा रहा है।

झूंसी के मार्केट पर भी बंद का असर- अधिवक्ताओं के आह्वान पर मंगलवार को झूंसी के अधिकांश बाजार बंद रहे। इस दौरान चार पहिया व दो पहिया वाहन पर सवार अधिवक्ता जगह-जगह रुक कर सरकार की नीतियों की आलोचना की। जुलूस का नेतृत्व कर रहे हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव अशोक सिंह ने कहा कि प्रयागराज से धीरे-धीरे कई मुख्यालयों को सरकार लखनऊ ले गई। इससे प्रयागराज की जो पहचान थी, उसे समाप्त करने का प्रयास है, जिसे हम प्रयागवासियों को बर्दाश्त नहीं है। इस पहचान को बचाने के लिए हम लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करेंगे। इस मौके पर दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

खीरी-पीलीभीत उपनिवेशन संघ चुनाव में आपस में भिड़े भाजपाई, जमकर हुई तोड़फोड और मारपीट; हवाई फायरिंग से फैली दहशत

लखीमपुर । मंगलवार दोपहर खीरी जिले के संपूर्णानगर थाने में उस वक्त बवाल खड़ा हो गया। जब खीरी पीलीभीत उपनिवेशन संघ के चुनाव में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर काबिज होने को भाजपा के दो गुट आपस में ही भिड़ गए। भाजपा समर्थक प्रत्याशी के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। देखते ही देखते धक्का-मुक्की मारपीट तोड़फोड़ और फायरिंग में तब्दील हो गई। हैरत की बात है कि इस पूरे मामले के दौरान पुलिस और प्रशासन मूकदर्शक बना खड़ा रहा और भाजपा कार्यकर्ता दबंगई करते रहे। जिला मुख्यालय से डीएम एसपी सूचना पाकर मौके के लिए रवाना हो गए हैं।

बताया जाता है कि मंगलवार सुबह संपूर्णानगर कस्बे में पीलीभीत खीरी उपनिवेशन संघ के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर चुनाव होना था। संघ के 12 में से 11 सदस्य पहले ही निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए जा चुके हैं इस पद पर काबिज होने के लिए भारतीय जनता पार्टी के नेता उमा शंकर मिश्रा, हजारा पीलीभीत के रहने वाले परमेंद्र सिंह परसपुर संपूर्ण नगर के रहने वाले धीरज शुक्ला

अध्यक्ष पद के दावेदार थे। ये सब भाजपा के ही कार्यकर्ता हैं। इन तीनों ने मंगलवार सुबह अपना नामांकन पत्र खरीद भी लिया था। बस पर्चा खरीदने के बाद ही भाजपा नेता और अन्य पद दावेदारों के बीच कहासुनी शुरू हो गई पहले धक्का-मुक्की और उसके बाद मारपीट व तोड़फोड़ होते भी देर न लगी बताया जाता है कि इस दौरान भाजपा के लोग हवाई फायरिंग करने लगे पूरे इलाके में भगदड़ मच गई सूचना पर कई थानों की फोर्स पहुंच गई इस दौरान वहां पर मौजूद पलिया के तहसीलदार आशीष कुमार भी सहम गए और उन्होंने पूरी चुनावी प्रक्रिया पर रोक लगा दी ।

उन्होंने बताया कि जब तक उच्च अधिकारी इस पूरे मामले को अपने स्तर से देख कर निर्देशित नहीं करेंगे तब तक अगला कोई भी चुनावी कार्य नहीं किया जाएगा। जिला मुख्यालय से कई और भाजपा नेता, विधायक संपूर्णानगर के लिए रवाना हो गए हैं। पता चला है कि डीएम शैलेंद्र कुमार सिंह विजय ढुल मौके पर रवाना हो रहे हैं। फिलहाल वहां तनावपूर्ण हालात हैं और बड़ी संख्या में फोर्स मौके पर पहुंच रही है।

बता दें कि साल 1956 में पीलीभीत उपनिवेशन संघ की स्थापना की गई थी जिसके तहत 12 कॉलोनियां पीलीभीत में और 12 कॉलोनी खीरी जिले में बनाई गई थी। जिसमें बाहर से आने वाले लोग बसाए गए थे । तब से ये संघ लगातार ऐसे लोगों की सँरक्षा के लिए बनाया गया है। हर पांच साल बाद इस संघ का चुनाव होता है । 2019 में चुनाव द्वारा होना था लेकिन कोरोना के कारण नहीं हो पाया। यह चुनाव आज मंगलवार को पूरा हो जाना था लेकिन उससे पहले यह अराजकता फैल गई।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह नई दिल्ली में संसद के चल रहे बजट सत्र के दौरान लोकसभा में बोलते हुए।

राजस्थान की चार सीटों पर होना है उप चुनाव, कांग्रेस ने उप चुनाव के लिए सोशल मीडिया टीम सक्रिय की

जयपुर । राजस्थान की चार विधानसभा सीटों पर आगामी दिनों में उप चुनाव होने हैं। सत्तारूढ़ दल कांग्रेस और विपक्षी दल भाजपा सहित अन्य छोटे दलों ने चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। कांग्रेस ने मंत्रियों को चारों विधानसभा क्षेत्रों का प्रभारी बनाया है। वहीं भाजपा ने वरिष्ठ नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी ने चारों सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है। इसी बीच चारों सीटों पर जीत तय करने को लेकर कांग्रेस सोशल मीडिया का सहारा ले रही है।

कांग्रेस ने आईटी सेल के जरिए चारों विधानसभा क्षेत्रों का डेटा एकत्रित करना शुरू किया है। डेटा एकत्रित होने के बाद सोशल मीडिया के माध्यम से प्रत्येक मतदाता तक पहुंचने की योजना है। प्रत्येक मतदाता को व्यक्तिगत रूप से जुड़ाव का अहसास कराया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का संदेश मतदाता तक पहुंचाया जाएगा।

चारों क्षेत्रों में कोर्डिनेशन के लिए पांच-पांच नेताओं का समूह बनाया गया है। यह समूह प्रत्येक इलाके के जातिगत व सामाजिक समीकरण का अध्ययन करने के साथ ही यह देखेगा कि किस नेता का उस क्षेत्र में प्रभाव है। इन क्षेत्रों के साथ ही प्रदेश में राज्य सरकार की ओर से किए गए कार्यों की जानकारी सोशल मीडिया टीम के साथ ही कार्डिनेशन कमेटी के सदस्यों के माध्यम से मतदाताओं तक पहुंचाई जाएगी। इसके साथ ही कृषि कानून व महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार को घेरा जाएगा।

पार्टी ने प्रदेशभर में 800 आईटी प्रशिक्षित युवाओं को चारों क्षेत्रों में तैनात किया है।

कांग्रेस सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म के जरिए मतदाताओं खासकर युवाओं को अपने पाले में लाना चाहती है। आईटी एक्सपर्ट्स ही चुनाव प्रचार अभियान की रणनीति भी तय करेंगे।

उल्लेखनीय है कि राजसमंद सीट पर भाजपा विधायक किरण माहेश्वरी के निधन के कारण उप चुनाव होने हैं। वहीं सहाड़ा में कांग्रेस के कैलाश त्रिवेदी,सुजानगढ़ में कांग्रेस के मास्टर भंवरलाल व कुंभलगढ़ में कांग्रेस के ही गजेंद्र सिंह की मौत के कारण उप चुनाव होना है। इन चार में से तीन की मौत कोरोना के कारण व एक का निधन बीमारी के कारण हुआ है।

राजस्थान भाजपा ने सवा दो साल बाद विधानसभा में बनाया अपना सचेतक

जयपुर । करीब सवा दो साल बाद राजस्थान भाजपा ने विधानसभा में अपना सचेतक बना दिया। वरिष्ठ विधायक जोगेश्वर गर्ग को सचेतक बनाया गया है। प्रदेश भाजपा में चल रही खेमेबाजी के बीच पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे समर्थक विधायक विधायक दल का सचेतक बनाए जाने को लेकर दबाव बना रहे थे। लेकिन विधायक दल के नेता गुलाब चंद कटारिया, उप नेता राजेंद्र राठौड़ और प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया सचेतक बनाए जाने के पक्ष में नहीं थे।

वसुंधरा ने खुद दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा और गृहमंत्री गुलाब चंद कटारिया सहित अन्य नेताओं से मिलकर यह मुद्दा उठाया था। उनके समर्थक विधायकों ने एक पत्र भी पार्टी नेतृत्व को लिखा था जिसमें प्रदेश के नेताओं द्वारा विधानसभा चुनाव संपन्न होने के सवा दो साल बाद भी सचेतक नहीं बनाने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कटारिया व राठौड़ पर सदन में पार्टी की तरफ से बोलने वाले विधायकों के मामले में पक्षपात करने का आरोप लगाया था। वसुंधरा खेमा अपने समर्थक किसी विधायक को सचेतक बनाए जाने के पक्ष में था, लेकिन प्रदेश नेतृत्व ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े चौथी बार विधायक बने जोगेश्वर गर्ग को इस पद पर बिठा दिया।

इस संबंध में कटारिया ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा था। विधानसभा सचिवालय ने मंगलवार सुबह इस संबंध में बुलेटिन जारी कर दिया। उधर एक दिन पहले अपने जन्मदिन पर गोवर्धन परिक्रमा कर ताकत दिखाने वाली वसुंधरा अगले माह से कोटा संभाग का दौरा करने की तैयारी कर रही है। अगले सप्ताह में विधानसभा का बजट सत्र समाप्त होने की संभावना है। इसके बाद वसुंधरा के अधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी।

एक नजर

बंगाल में ममता दीदी के जवाब में भाजपा का नया पोस्टर 'मोदी दादा'

कोलकाता । बंगाल में इस बार का विधानसभा चुनाव ऐतिहासिक हो चुका है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राज्य की सत्ता से हटाने के लिए भाजपा पूरी ताकत झोंक रही है तो तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी यानी ममता दीदी भी पीछे नहीं हैं। बाहरी बनाम भीतरी का नारा देकर वह तीसरी बार सत्ता में आने का प्रयास कर रही हैं। साथ ही ममता ने कभी उनके बेहद खास रहे भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ उनके ही गढ़ नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ने का एलान कर इस सीट को हॉट सीट बना दिया है।

ऐसे में इस वक्त बंगाल चुनाव पर पूरे देश की नजर टिकी हुई है। इस बीच भाजपा के खिलाफ हमला करने के लिए राय की सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस की तरफ से दिए गए खेला होबे नारे के इतर भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में हुई सफल रैली के बाद नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर पर वोट फॉर मोदी दादा लिखा है। साथ ही खबर है कि आगामी 18 मार्च को फिर पीएम मोदी बंगाल आ रहे हैं और उनकी सभा पुरुलिया में होगी। सूबे में पीएम 20 से यादा चुनावी रैलियां कर सकते हैं। चुनाव से पहले दो और रविवार को तीसरी रैली बंगाल में पीएम कर चुके हैं।

उधर ममता भी पीछे नहीं हैं। आगामी 13 मार्च से ममता भी अपना धुआंधार चुनाव प्रचार जंगलमहल पुरुलिया से सटे बांकुड़ा, झाड़ग्राम और पश्चिम मेदिनपुर से शुरू करेंगी। इससे पहले वह मंगलवार को पूर्व मेदिनीपुर जाएंगी और अगले दिन वहां चुनावी सभा को संबोधित करेंगी। दो दिनों में ममता कोलकाता और सिलीगुड़ी में दो पदयात्रा कर चुकी हैं।

ममता के गढ़ में सेंध लगाएंगे अमित शाह के भरोसेमंद

कोलकाता । केंद्रीय गृहमंत्री व भाजपा के कद्दावर नेता अमित शाह का बंगाल में कमल खिलाना सपना है। यह बात उन्होंने खुद ही कई वर्ष पहले कही थी। जब वह भाजपा के अध्यक्ष थे तो भुवनेश्वर में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शाह ने अपने सपने के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था जब बंगाल और केरल में भाजपा की सरकार होगी तब पार्टी का स्वर्णिम समय आएगा। इसी सपने को पूरा करने के लिए अमित शाह ने ममता बनर्जी के सबसे मज़बूत गढ़ में अपने सबसे भरोसेमंद नेता को लगाया है।

उन्होंने कोलकाता ज़ोन की ज़िम्मेदारी यूपी के संगठन मंत्री सुनील बंसल को दी है। दोनों की जोड़ी ने यूपी में असंभव को संभव कर दिया। पहले 2014 के लोकसभा चुनाव में शानदार जीत मिली। फिर 2017 के विधानसभा चुनाव में इस इतिहास को दुहराया। अमित शाह जब महासचिव होने के नाते यूपी के प्रभारी थे, तब वे सुनील बंसल को संगठन मंत्री बना कर लखनऊ लाए थे। अब वही सुनील बंसल के पास बंगाल के 51 विधानसभा सीटों की ज़िम्मेदारी है। तीन महीने पहले सुनील बंसल ने यूपी से आकर कोलकाता में डेरा डाल दिया। जब उन्होंने यहां का काम संभाला तब संगठन बहुत कमजोर था। कार्यकर्ताओं के नाम पर सिर्फ़ आठ हज़ार लोगों का ब्यौरा था। लेकिन फिर उन्होंने बूथ कमेटी से लेकर सेक्टर और फिर मंडल तक संगठन का विस्तार किया। हर बूथ पर एक व्हाट्सएप प्रभारी बनाया। सभी 51 विधानसभा सीटों पर जाकर मीटिंग की।जयपुर के रहने वाले सुनील बंसल के बड़े भाई दुर्गापुर में रहते हैं। वहां उनका आना जाना लगा रहता है। इस कारण वे बांग्ला जानते और समझते हैं। बंगाल में चुनाव की तैयारी में ये उनके बहुत काम आ रहा है।

अब हालात बदल रहे हैं– पहले चरण को छोड़ कर हर दौर में कोलकाता ज़ोन में वोटिंग है, अभी उनका सारा ज़ोर हर बूथ पर पोलिंग एजेंट तैयार करने का है। उन्होंने बताया कि शुरूआत में ममता सरकार और टीएमसी के डर के कारण नए कार्यकर्ता जोड़ना बड़ा कठिन काम था।लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। लोगों में प्रधानमंत्री को लेकर आकर्षण बढ़ रहा है। लोग बंगाल में परिवर्तन चाहते हैं। आख़िरी चरण के मतदान तक सुनील बंसल यहां रह कर पार्टी का काम काज संभालेंगे।

शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलनों से जमीनी सतह पर मजबूत होगी भाजपा

जम्मू । जला विकास परिषद चुनाव के बाद अब विधानसभा चुनाव के लिए कमर कसने वाली प्रदेश भाजपा शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलनों से जमीनी सतह पर मजबूत होगी। जम्मू संभाग के रियासी जिले के कटड़ा में प्रदेश कार्यकारिणी संपन्न होने के फौरन बाद प्रदेश भाजपा ने शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलनों की शुरूआत कर दी है। इस समय प्रदेश भाजपा अध्यक्ष रविन्द्र रैना व संगठन महामंत्री अशोक कौल कठुआ जिले के विभिन्न हिस्सों में शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलनों का आयोजित कर पोलिंग बूथ स्तर पर तैयारियों को तेजी दे रहे हैं।

भाजपा के शक्ति केंद्र में 3 या चार पोलिंग बूथ आते हैं। शक्ति केंद्र, ग्रामीण, शहरी केंद्रों का समूह है, जिसका काम जमीनी सतह पर पार्टी का आधार मजबूत करना है। ऐसे में सम्मेलनों के बाद शक्ति केंद्र अपने-अपने इलाकों में बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाकर जमीनी पर सशक्त होंगे। यह जिम्मेदारी निभाने के लिए हर शक्ति केंद्र का एक प्रमुख बनाया गया है। ऐसे में शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलनों में शक्ति केंद्र के प्रमुखों को राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनाई जाने वाली रणनीति के बारे में प्रशिक्षण दिया जाएग। शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन में जिले के वरिष्ठ नेताओं के साथ जिला प्रधान, मंडल प्रधान, मोर्चा प्रधानों के साथ शक्ति केंद्रों के प्रमुख भी हिस्सा लेंगे।

शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलनों के आयोजन का फैसला प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में हुआ था। इस दौरान वरिष्ठ नेताओं को अपने अपने जिलों में शक्ति केंद्र प्रमुख सम्मेलन को कामयाब बनाने की जिम्मेवारी दी गई थी। प्रदेश भाजपा रविन्द्र रैना ने बताया कि मार्च माह में जिला कार्यकारिणी व मंडल स्तर पर बैठकों से भाजपा जमीन पर अपनी सरगर्मियों को तेज करेगी।

गुजरात में स्ट्रीट डॉग का तोड़ा पैर, उजाड़ दिया आशियाना; शिकायत दर्ज

अहमदाबाद । स्ट्रीट डॉग का पैर तोड़ने तथा उनका आशियाना उजाड़ने के मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। सीए मनीषा साधवानी ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई है कि इनकी सोसायटी में रहने वाले केतन शुक्ला ने उनकी सोसाइटी अक्षत अपार्टमेंट के बाहर खुले में घूमने वाले कुत्तों के लिए बनाए गए पिंजरे तोड़ दिए तथा वहां आसपास घूमने वाले कुत्तों को पत्थर व लाठी से मार-मार कर भगाया। मनीषा साधवानी ने सुरक्षा गार्ड की जानकारी चाही तो सीसीटीवी में देखने पर पता चला कि केतन शुक्ला ने ही स्ट्रीट डॉग के लिए बनाए गए पिंजरे तोड़ रहे हैं तथा

कुत्तों को पत्थर व लाठी से मार कर भगा रहे हैं । साधवानी पैसे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है तथा वह रोज सोसायटी के बाहर बैठने वाले स्ट्रीट डॉग को खाना देती थी तथा उनके रहने के लिए उसने पिंजरे बनवाए थे।

पिंजरा में साधवानी ने कंबल भी रखे थे केतन शुक्ला को इससे एतराज था। फरवरी 2021 में केतन शुक्ला ने अक्षत अपार्टमेंट के बाहर खड़े होकर काफी देर तक चिल्लाया की कुत्तों को यहां कौन खाना डालता है तथा उनके रहने की व्यवस्था किसने की है। चेतन का मनीषा साधवानी को यह भी कहना था कि अगर कुत्तों को खिलाना पिलाना है तो अपने घर पर ही रख कर खिलाएं पिलाएं। इसके कुछ दिनों बाद जब मनीषा ने देखा तो कुत्तों के लिए अस्थाई तौर पर बनाया गया उनका आशियाना तोड़ दिया गया तथा कुत्तों को भी वहां से भगाने की कोशिश की गई।

मनीषा अपने एक मित्र की मदद से कुत्ते के बच्चे को जीव दया संस्थान के पशु चिकित्सक के पास ले गई जहां उसने बताया कि कुत्ते के आगे की टांग टूट गई है। इसके बाद इस महिला ने केतन शुक्ला के खिलाफ पुलिस में पशुओं के साथ क्रूरता करने तथा सोसाइटी के बाहर बनाए गए उनके अस्थाई आवास को तोड़ने का मामला दर्ज कराया। गौरतलब है कि गत दिनों अहमदाबाद की ही एक पॉश इलाके में दो पड़ोसियों के बीच इसी बात पर झगड़ा हो गया था कि पालतू कुत्ते को उसके फ्लैट के बाहर नहीं आने दे। दरअसल उसी सोसायटी में रहने वाले एक व्यक्ति के पालतू कुत्ते ने सामने वाले फ्लैट के आगे टॉयलेट कर दिया था। जिससे नाराज होकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई तथा मामला पुलिस थाने तक पहुंच गया था।

महाराष्ट्र के ठाणे में कोरोना का कहर, 16 हॉटस्पॉट इलाकों में 31 मार्च तक लॉकडाउन

ठाणे । महाराष्ट्र में दोबारा कोरोना के मामलों में तेजी से इजाफा हो रहा है । जिसे देखते हुए ठाणे नगर निगम ने 9 मार्च से 31 मार्च तक यहां के हॉट स्पॉट इलाकों में लॉकडाउन लागू कर दिया है। इसके लिए ठाणे के हॉट स्पॉट इलाकों को चिह्नित किया गया है।

महाराष्ट्र सरकार की ओर से मिशन स्टार्ट अगेन के तहत कुछ छूट भी दी गई है। इस दौरान हॉटस्पॉट से बाहर के इलाकों में गतिविधियों की अनुमति दे दी गई है।

बता दें कि राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान लागू किए गई प्रतिबंध पहले की तरह ही लागू रहेंगे

इसमें कहा गया है कि इससे पहले घोषित राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान होने वाले सभी प्रतिबंध इस दौरान भी लागू रहेंगे। सोमवार सुबह तक, ठाणे जिले में कुल पॉजिटिव केस की संख्या 2,69,845 थी और कुल 6,302 मौत हो चुकी थीं। 8 मार्च को ठाणे में ष्टश1द्बस्र-19 के 780 नए मामले सामने आए थे। पिछले कुछ दिनों से 10,000 से अधिक नए कोरोनोवायरस मामले दर्ज होने के बाद, महाराष्ट्र में सोमवार को 8,744 नए संक्रमण के मामले सामने आए। 22 लोगों की मौत के बाद मौत का आंकड़ा 52,500 तक पहुंच गया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से मिले ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में बीते 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 15,388 नए मामले सामने आये जिसके बाद कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 1,12,44,786 तक पहुंच चुकी है। 8 मार्च को 77 संक्रमितों की मौत दर्ज की गई है जिसके बाद कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा 1,57,930 तक पहुंच चुका है। देश में सक्रिय मरीजों की संख्या, 87,462 है जबकि 1,08,99,394 मरीजों को इलाज के बाद स्वस्थ पाये जाने पर अस्पताल से घर भेजा जा चुका है।

देश में अब तक कुल 2,30,08,733 लोगों को कोरोना वैक्सीन लगाई जा चुकी है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद से मिली जानकारी के अनुसार कुल 22,27,16,796 लोगों के सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं। 8 मार्च को 7,48,525 लोगों के सैंपल टेस्ट किए जा चुके हैं।

अपराधियों से टक्कर लेने वाली युवती को सीधे पुलिस उप निरीक्षक बनाया

जयपुर । हार्डकोर अपराधी को अपने साथ ले जाने का प्रयास कर रहे हथियारबंध बदमाशों से टक्कर लेकर साजिश को नाकाम करने वाली राजस्थान में धौलपुर की वसुंधरा को पुलिस उप निरीक्षक पद पर सीधा भर्ती किया गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। गहलोत का मानना है कि इस निर्णय से महिलाओं के असाधारण साहस को सम्मान मिलेगा। इसके साथ ही आमजन विपरित परस्थितियों में पुलिस को सहयोग करने का साहस जुटा सकेंगे। वसुंधरा की नियुक्ति के लिए उसे राजस्थान पुलिस अधीनस्थ सेवा नियम,1980 के तहत शैक्षणिक,शारीरिक दक्षता व मेडिकल फिटनेस को पूरा करना होगा।

उल्लेखनीय है कि तीन मार्च को चार पुलिसकर्मी उम्रकैद की सजा काट रहे अपराधी धर्मेंद्र को धौलपुर में कोर्ट में पेशी के बाद भरतपुर की सेवर जेल में लेकर जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में पांच हथियारबंद बदमाशों ने बस रुकवाकर उसमें सवार हो गए। उन्होंने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्ची डालकर हथियार छीनने का प्रयास किया। वे धर्मेंद्र को अपने साथ ले जाना चाहते थे। इसी दौरान बस में सवार धौलपुर निवासी 25 वर्षीय युवती वसुंधरा व एक अन्य व्यक्ति अपनी जान की परवाह किए बिना अपराधियों से भिड़ गए। उन्होंने बदमाशों को नीचे गिरा दिया। उनका साहस देखते हुए अन्य यात्री भी आगे आए। इससे बदमाश मौका देखकर फरार हो गए। वसुंधरा का साहस देखते हुए पुलिस महानिदेशक ने उसे बिना किसी प्रवेश परीक्षा के सीधे उप निरीक्षक के पद पर नियुक्ति देने की सिफारिश मुख्यमंत्री को की थी, इस प्रस्ताव को सोमवार को मंजूरी दी गई।

गौरतलब है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत एक तरफ तो महिला सशक्तिकरण और पुलिस थाने में प्रत्येक रिपोर्ट दर्ज करने का नारा देते हैं,वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के अलवर जिले में पुलिसकर्मी द्वारा थाने में अपने पति के खिलाफ मामला दर्ज कराने आई महिला से दुष्कर्म किया। अलवर जिले में खेड़ली पुलिस थाने में तैनात सहायक उप निरीक्षक भरत सिंह ने तीन दिन तक महिला के साथ दुष्कर्म किया । उसने यह दुष्कर्म थाना परिसर में बने स्टाफ क्वार्टर में किया। मामला सामने आने के बाद थाने में पहुंचे जयपुर रेंज के महानिरीक्षक हवा सिंह घुमरिया और पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने आरोपित भरत सिंह के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 में दुष्कर्म का मामला दर्ज करने के निर्देश दिए। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपित की मदद करने वाले थाने में तैनात हेड कांस्टेबल प्रकाश चंद को निलंबित कर दिया गया।

कोलकाता अग्निकांड की रेलवे ने दिए उच्च स्तरीय जांच के आदेश, राज्य को भी जांच में हरसंभव मदद का भरोसा

कोलकाता । राजधानी कोलकाता के स्ट्रैंड रोड स्थित न्यू कोलाघाट बिल्डिंग की 13वीं मंजिल पर सोमवार शाम लगी भयावह आग की घटना में नौ लोगों की मौत हो गई। उक्त बिल्डिंग में पूर्व रेलवे का कार्यालय है। इस हादसे में मरने वालों में दो रेलवे कर्मी भी शामिल हैं। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने इस घटना पर शोक जाहिर करते हुए कहा कि इस त्रासदी में चार दमकलकर्मी, दो रेलवे कर्मी और एक एएसआइ समेत नौ लोगों की जान गई है। रेल मंत्री ने रेलवे की तरफ से राज्य सरकार को हर संभव मदद का आश्वासन दिया है। वहीं, पूर्व रेलवे ने इस घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए हैं।

रेल मंत्री गोयल ने ट्वीट करके इसकी जानकारी देते हुए कहा कि आग की वजह जानने के लिए रेलवे के चार अधिकारियों के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय जांच कमेटी बनाई गई है। इधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आग की इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। साथ ही हादसे में मरने वालों के परिजनों को दो लाख रुपये एवं घायलों को 50 हजार रुपये की मदद देने का ऐलान किया है। वहीं, पूर्व रेलवे ने भी एक बयान जारी कर जानकारी दी कि अब तक आग लगने की वजह साफ नहीं हो पाई है। पूर्व रेलवे ने इस घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं, जिसकी अध्यक्षता प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ जयदीप गुप्ता करेंगे।

वहीं, पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मनोज जोशी भी देर रात ही घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने आग की घटना में नौ लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया और उनके परिजनों के प्रति संवेदना जताई। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए जोशी ने कहा कि आग के कारणों की जांच के लिए रेलवे द्वारा एक उच्चस्तरीय टीम का गठन किया गया है। हम किसी भी जांच में राज्य सरकार के साथ पूरा सहयोग करेंगे।

वहीं, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी देर रात ही घटनास्थल पर पहुंचीं और इस हादसे में चार दमकल कर्मियों समेत दो रेलकर्मी व एक पुलिसकर्मी सहित अन्य लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया। ममता ने कहा कि यह बहुत दुखद घटना है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की। इसके साथ ही ममता ने कहा कि जिस बिल्डिंग में आग लगी है वो रेलवे की है।उन्होंने इस दौरान रेलवे पर असहयोग का भी आरोप लगाया। ममता ने कहा कि आग लगने के बाद रेलवे ने रेस्क्यू के लिए बिल्डिंग का नक्शा उपलब्ध नहीं कराया। साथ ही रेलवे के कोई बड़े अधिकारी भी मौके पर नहीं पहुंचे।

हालांकि रेल मंत्री गोयल ने दावा किया कि इस दुर्घटना के दौरान रेलवे की तरफ से राज्य सरकार को हरसंभव मदद की गई है। इसके साथ ही पूर्व रेलवे की ओर से भी दावा किया गया कि आग लगने के बाद तुरंत आरपीएफ और अन्य रेलवे कर्मचारी 13वीं मंजिल पर पहुंचे और वहां मौजूद कर्मचारियों को बाहर निकाला। साथ ही फायर बिग्रेड को घटना की जानकारी दी गई। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी घटनास्थल पर जाकर स्थिति का जायजा लिया और फायर बिग्रेड व राज्य के अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय के लिए आरपीएफ और अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके उपरांत रात 11 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

महाराष्ट्र के ठाणे में प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग, 12 दमकल गाड़ियां मौके पर

ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे के आसनगांव इलाके में मंगलवार सुबह एक प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लग गई है। आग की सूचना मिलते ही 12 दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंच आग बुझाने में लगी हुई हैं। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। इस मामले में अभी अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। गौरतलब है कि कोलकाता के स्ट्रांड रोड स्थित न्यू कोलाघाट बिल्डिंग के 13वें माले पर सोमवार सुबह 6 बजकर 10 मिनट पर आग लग गई थी। आग इतनी भयावह थी की इसे बुझाने के लिए 15 दमकल वाहन मौके पर मौजूद थे। इस भीषण आग में चार दमकल कर्मियों समेत नौ लोगों की मौत हो गई। इस इमारत में पूर्व व दक्षिण पूर्व रेलवे के कार्यालय हैं और भूतल पर रेलवे का कंप्यूटरीकृत टिकट आरक्षण केंद्र मौजूद है। आग पर काबू पाने के लिए हाइड्रोलिक लैडर का इस्तेमाल किया गया। इमारत में आग लगते ही अफरातफरी मच गई और तुरंत इसे खाली करवा दिया गया। स्ट्रांड रोड पर भी वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई। दमकल कर्मियों के अनुसार आग इमारत की 13वीं मंजिल पर लगी थी। दो दमकल कर्मियों की हालत काफी गंभीर होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया। इस घटना में लिफ्ट में फंसकर विषाक्त गैस से दम घुटने के कारण चार दमकल कर्मी और नौ अन्य लोगों की मौत की खबर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री पीयूष गोयल ने इस दर्दनाक हादसे पर शोक जताया है। प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये मुआवजा देने का ऐलान किया गया है ।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय कोलकाता में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा पार्टी में टीएमसी नेताओं के शामिल होने के एक कार्यक्रम के दौरान पार्टी सांसद लॉकेट चटर्जी के साथ बातचीत करते हुए।

सनी लियोनी

ने खेत में कराया जबरदस्त फोटोशूट, बोलीं- बहुत बोरिंग है...

बॉलीवुड बिंदास एक्ट्रेस सनी लियोनी (Sunny Leone) सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं. अपने फैंस के लिए वह अलग-अलग अंदाज में फोटो शेयर करती रहती हैं. सनी अक्सर फोटोशूट (Photoshoot) और वीडियो शूट करवाती हैं, जो उनके चाहने वालों को बेहद पसंद आते हैं. सनी की हर फोटो और वीडियो पर उनके फैंस जमकर कमेंट्स और लाइक करते हैं. सनी हाल ही में खेत में एक फोटोशूट कराया, जिसको वह बोरिंग कह रही हैं.

सनी लियोनी (Sunny Leone) ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक लेटेस्ट फोटोशूट शेयर किया है. तस्वीरों में वह वाइट और पिंक कलर के आउट फिट्स में नजर आ रही हैं.

सनी लियोनी को भले ये तस्वीरें बोरिंग नजर आ रही हो, लेकिन उनके फैंस इस तस्वीरों पर प्यार लुटा रहे हैं. सनी ने सफेद रंग का क्रॉप टॉप पहना है, जिसपर बेटी लिखा हुआ है. सनी का यह अंदाज फैंस को बेहद लुभा रहा है. इसीलिए उनका यह फोटो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है.

इन तस्वीरों पर सनी के फैंस कमेंट कर अपना प्यार लुटा रहे हैं. ये पहली बार नहीं है जब सनी ने ऐसी तस्वीरों को शेयर किया हो. इससे पहले भी वह कई तस्वीरों को शेयर कर लोगों की धड़कने बढ़ा चुके हैं.गजब की खूबसूरत एक्ट्रेस सनी लियोनी अपने फैशन सेंस के लिए भी काफी पसंद की जाती हैं. सनी अक्सर मॉडर्न ड्रेस पहनना पसंद करती है.

हालांकि सनी लियोनी हर तरह के ड्रेस में बेहद कातिल लगती हैं. सनी चाहे मॉडर्न कपड़े पहने या ट्रेडिशनल कपड़े उनकी हर स्टाइल और हर अदा फैंस को पसंद आती है.वर्कफ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस सनी लियोनी एमटीवी पर शुरू होने वाले टीवी शो splitsvilla &3 में नजर आने

रुबीना दिलैक

ने एयरपोर्ट पर पैपराजी को किया इग्नोर? वीडियो देखकर लोग बोले- घमंड आ गया है

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस और बिग बॉस 14 की विनर रह चुकीं रुबीना दिलैक दिनों काफी बिजी हैं। वो कभी अपने घर पर आए सेलेब्रिटीज मेहमानों से मिल रही हैं तो कभी इंटरव्यूज और दोस्तों संग पार्टी कर रही हैं। उन्हें फैंस को मीडिया की काफी अटेंशन भी मिल रही है। वहीं, इस बीच उनकी एक हैरान कर देने वाला वीडियो सामने आया है। जिसमें दावा किया जा रहा है कि रुबीना ने पैपराजी को इग्नोर किया है। वहीं इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स रुबीना पर जमकर नाराज होते दिख रहे हैं। कईयों ने तो उन्हें घमंडी तक कह डाला है।

नहीं दिया कोई जवाब

दरअसल, हाल ही में विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में दिख रहा है कि रुबीना अपनी बहन के साथ एयरपोर्ट से कहीं के लिए रवाना हो रही हैं। वहीं इस बीच पैपराजी उन्हें पहचान लेते हैं और उन्हें बिग बॉस जीतने के बाद पहली बार एयरपोर्ट आने पर मिलने पर बधाई देते हैं। वहीं रुबीना ने मास्क से अपने चेहरे को ढका हुआ है और वो अपने फोन में देखते हुए वहां से निकल रही हैं। रुबीना मीडिया को देखकर हाथ से अभिवादन तो करती हैं लेकिन बोलती कुछ नहीं हैं।

क्या नाराज हैं रुबीना

वीडियो में एक शख्स उनसे पूछता भी है कि क्या वो नाराज हैं ? लेकिन इस पर भी वो जवाब नहीं देती हैं। हालांकि पैपराजी के बाय कहने पर रुबीना उसे बाय कर देती हैं। वहीं रुबीना का ये वीडियो वायरल होते ही सोशल मीडिया पर लोग खूब नाराज होते दिख रहे हैं। किसी ने उन्हें घमंडी बताया है तो किसी ने यहां तक कह डाला है कि मीडिया को उन्हें अब कवर नहीं करना चाहिए।

एयपोर्ट पर इस अंदाज में दिखीं

हालांकि, इस पूरे मामले पर रुबीना की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। उनके कई फैंस का मानना है कि शायद उन्होंने किसी कारण से ऐसा किया होगा। बता दें कि एयरपोर्ट पर रुबीना ऑफ व्हाइट रंग के जंप सूट में नजर आईं। इसके साथ उन्होंने यलो हैंडबैग लिया हुआ था और पिंक शूट पहने हुए थे।

प्रियंका चोपड़ा ने न्यूयॉर्क में खोला भारतीय रेस्टोरेंट, शेयर की Inside Photos

ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपने फैंस को एक के बाद एक कई सरप्राइज देती दिखाई दे रही हैं। जहां एक तरफ उनकी फिल्में भी रिलीज हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्होंने बीते दिनों अपना संस्मरण 'अनफिनिश्ड' भी रिलीज कर दिया है। इसके बाद अब इसका हिंदी अनुवाद 'अभी बाकी है सफर' भी रिलीज हो चुका है। वहीं अब प्रियंका चोपड़ा ने विदेश में रहने वाले अपने भारतीय फैंस को बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने न्यूयॉर्क में एक आलीशान रेस्टोरेंट खोल दिया है। प्रियंका के इस रेस्टोरेंट का नाम Sona रखा है। जिसमें उन्होंने भारतीय खाने के लिए अपना प्यार जाहिर किया है।

खास अंदाज में किया उद्घाटन

इस रेस्टोरेंट पर प्रियंका ने निक के साथ कुछ समय पहले एक पूजा भी की थी। जिसकी तस्वीरें उन्होंने अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर साझा की हैं। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पर ऐलान किया है कि उन्होंने न्यूयॉर्क में भारतीय खाने के लिए रेस्टोरेंट खोला है। उन्होंने इसके उद्घाटन के लिए एक छोटी की पूजा भी रखी है। पूजा करते हुए प्रियंका ने कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं।

जिन भारतीय जायकों के साथ बड़ी हुई हूं...

प्रियंका चोपड़ा ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा- मैं आपके सामने SONA को पेश करते हुए बहुत रोमांचित महसूस कर रही हूं। NYC में एक नया रेस्टोरेंट जहां पर मैंने भारतीय खाने के लिए अपना प्यार उडेल दिया है। SONA उन भारतीय जायकों का प्रतीक है, जिनके साथ मैं बड़ी हुई हूं। किचन का संचालन करेंगे शेफ हरि नायक, जो बेहद टैलेंटेड हैं। उन्होंने बहुत स्वादिष्ट और इनोवेटिव मैन्यू तैयार किया है। जो आपको मेरे देश की फूड यात्रा पर ले जाएगा%।

बताया कब खुल रहा है रेस्टोरेंट

प्रियंका ने बताया कि 'SONA इसी महीने खुल रहा है और मैं आप सभी को वहां पर देखना का इंतजार नहीं कर पा रही हूं। ये प्रयास मेरे दोस्त मनीष गोयल और डेविड राबिन के बिना संभव नहीं हो सकता था। उन्होंने बताया कि इस पोस्ट में दूसरी और तीसरी तस्वीर 2019 सितंबर में ली गई थी, जब हमने इस स्थान के लिए एक छोटी सी पूजा रखी थी।

गौहर खान

ने शेयर किया पिता की याद में इमोशनल वीडियो, छू लेगा आपका भी दिल

कुछ ही दिन पहले एक्ट्रेस गौहर खान ने पिता को नम आंखों से विदा किया। दिवंगत पिता की याद में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेना वाला इमोशनल वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में गौहर के पिता जफर अहमद खान निकाह के दौरान जैद दरबार के सामने दुआ पढ़ते नजर आ रहे हैं। वीडियो में गौहर खान की विदाई के दौरान का भी मोमेंट नजर आ रहा है। वीडियो के अंत में लिखा है, मेरी दुनिया रुक गई है, आप एंजल्स के साथ चलें, लव यू अप्पा। गौहर ने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेरे पिता, मेरी प्राइड, जफर अहमद खान आप एक असली के सितारे हैं, मेरे पापा निकाह के दौरान दुआ पढ़ते हुए (मेरी जिंदगी की सबसे खूबसूरत मेमोरी)।

मालूम हो कि गौहर खान के पिता कई दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। वह पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। शुक्रवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। इसके बाद गौहर की दोस्त प्रीति ने इंस्टाग्राम पर निधन की जानकारी दी थी। वहीं, पिता को अंतिम विदाई देते हुए गौहर खान की भावुक तस्वीरें सामने आई थीं। इन तस्वीरों में उनके साथ परिवार के कई अन्य सदस्य भी दिखाई दे रहे थे।शादी के कुछ समय बाद ही पिता को खो देने की मायूसी गौहर के चेहरे पर नजर आई। वह सोशल मीडिया के जरिए काफी समय से सभी से अपील करती नजर आ रही थीं कि उनके पिता के लिए दुआ करें। गौहर ने शादी की तस्वीरों के साथ-साथ अपने पिता की भी एक प्यारी-सी तस्वीर शेयर की थी जो अब एक याद बनकर रह गई है।

दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से पीटा, मैन ऑफ द मैच झूलन गोस्वामी ने झटके चार विकेट

स्मृति की तूफानी पारी से जीती भारतीय महिला टीम

लखनऊ (एजेंसी)। मैन ऑफ द मैच तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी (42 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद स्मृति मंधाना (80 नाबाद) और पूनम राउत (62 नाबाद) के बीच 138 रनों की नाबाद भागीदारी की बदौलत भारतीय लड़कियों ने पलटवार करते हुये दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट श्रृखंला के दूसरे मैच में मंगलवार को नौ विकेट से धमाकेदार जीत अर्जित की।

अटल बिहारी वाजपेयी इकाना अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम पर दक्षिण अफ्रीका पहले खेलते हुये 41 ओवर के खेल में 157 रन पर सिमट गई। जवाब में भारतीय महिला टीम ने विजयी लक्ष्य को 28.4 ओवरों में हासिल कर श्रृखंला को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। पहला विकेट जल्दी खोने के बाद क्रीज पर आयी पूनम के साथ मिलकर स्मृति ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। दोनों खिलाड़ियों ने मेहमान गेंदबाजों की बखिया उधेड़ते हुये मैदान के चारों ओर खूबसूरत शाट लगाए।

स्मृति मंधाना ने जड़ा 19वां अर्धशतक, 80 रन बनाए

वर्ष 2016 में आईसीसी वूमेन टीम आफ द इयर में चुनी गयी 24 वर्षीय बायें हाथ की बल्लेबाज स्मृति ने अपना 19वां अर्धशतक धमाकेदार अंदाज में पूरा करते हुए लय में आने का संकेत दिया। उन्होने अपनी नाबाद पारी में मात्र 64 गेंदो पर 80 रन बनाए जिसमें उनके 10 चौके और तीन छक्के शामिल हैं। वहीं उनकी जोड़ीदारी पूनम राउत ने एक छोर को थाम कर रखा और अपना 15वां अर्धशतक पूरा कर लिया। रेलवे और मुबंई की ओर से प्रथम श्रेणी मैच खेल चुकी पूनम ने 89 गेंदो में 62 रन बनाए और इस दौरान आठ बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया। भारत ने भी जेमिमा रोड्रिग्स (नौ) का विकेट पांचवें ओवर में गंवा दिया था। उन्हें शबनम इस्माइल ने बोल्ड किया लेकिन इसके बाद मंधाना और राउत ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया। मंधाना ने इस्माइल के पहले ओवर में ही लगातार दो छक्के जड़कर अपने इरादे जतला दिए थे। उन्होंने अपना तीसरा छक्का नॉकुलुलेको मलाबा पर लगाया। उन्होंने 20वें ओवर में इस्माइल पर लगातार दो चौके लगाकर 46 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 18वां अर्धशतक पूरा किया। राउत ने शुरू में संभलकर बल्लेबाजी की लेकिन बाद में उन्होंने भी कुछ आकर्षक शॉट लगाए। इससे पहले भारतीय कप्तान मिताली राज ने टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया जिसने नियमित अंतराल में विकेट गंवाये। इससे पहले भारतीय कप्तान मिताली राज ने टास जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण के फैसला किया जिसे सही ठहराते हुये झूलन गोस्वामी (42 रन पर चार विकेट), मानसी जोशी (23 रन पर दो विकेट) और राजेश्वरी गायकवाड़ (37 रन पर तीन विकेट) मेहमान टीम के बल्लेबाजों को विकेट पर जमने नहीं दिया। भारतीय गेंदबाजों के आक्रामक अंदाज के चलते दक्षिण अफ्रीका की आधी टीम दहाई के स्कोर तक भी पहुंचने में असफल रही।

चेज करते हुए वनडे में 10वां लगातार 50 प्लस स्कोर करने वाली पहली क्रिकेटर बनीं मंधाना

बाएं हाथ की मंधाना ने इसके साथ अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि दर्ज कर ली। चेज करते हुए मंधाना की वनडे में यह 10वीं लगातार 50 प्लस स्कोर है मंधाना यह यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली क्रिकेटर बन गई हैं। इस दौरान भारत की इस महिला सलामी बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स का रेकॉर्ड तोड़ा जिनके नाम चेज करते हुए 9 बार 50 प्लस का स्कोर दर्ज है। सूजी ने यह रिकॉर्ड साल 2015 और 2017 के बीच हासिल किया था। अब तक ना तो महिला और ना ही पुरुष क्रिकेट में ऐसा कोई कमाल कर पाया था। स्मृति की वाहवाही सोशल मीडिया पर खूब हो रही है।

झूलन और मानसी ने दक्षिण अफ्रीका को समेटा

झूलन और मानसी ने सही लाइन व लेंथ से गेंदबाजी की तथा पिछले मैच में पहले विकेट के लिए शतकीय भागीदारी निभाने वाली लिजली ली (चार) और लॉरा वॉलवार्ट (नौ) की सलामी जोड़ी को सस्ते में पवेलियन की राह दिखा दी। ली को झूलन ने एलबीडब्ल्यू आउट किया जबकि वॉलवार्ट ने विकेट के पीछे कैच थमाया। इसके बाद लुस और गुर्डाल ने तीसरे विकेट के लिये 60 रन जोड़कर पारी संवारने की कोशिश की। मानसी ने 21वें ओवर में लुस को आउट करके यह साझेदारी तोड़ी। विकेटकीपर सुषमा वर्मा ने उनका आसान कैच लिया। इसके बाद स्पिनरों ने जिम्मेदारी संभाली तथा दीप्ति शर्मा और राजेश्वरी ने बल्लेबाजों को खुलकर नहीं खेलने दिया। राजेश्वरी ने 26वें ओवर में मिगनॉन डु प्रीज (11) को दीप्ति के हाथों कैच कराया। मिताली ने इस बीच गेंदबाजी में कुछ अच्छे बदलाव किए। झूलन ने गेंद संभाली और मारिजान कैप (10) को मिडविकेट पर कैच देने के लिये मजबूर किया। उप कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपनी पहली गेंद पर ही गुर्डाल को बोल्ड करके उन्हें अर्धशतक से वंचित किया। इससे दक्षिण अफ्रीका का स्कोर छह विकेट पर 130 रन हो गया। झूलन ने नडीन डि क्लर्क (आठ) और शबनीम इस्माइल (शून्य) को आउट करके स्कोर आठ विकेट पर 144 रन कर दिया।

आईसीसी टी20 रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचीं शेफाली वर्मा

भारत की युवा विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की महिलाओं की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं जबकि इस प्रारूप में टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना सातवें और जेमिमा रोड्रिग्स नौवें पायदान पर हैं। आईसीसी से मंगलवार को जारी सूची के मुताबिक बल्लेबाजों में शेफाली के नाम 744 रेटिंग अंक है जो शीर्ष पर काबिज ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी (748) से चार अंक कम है। उनके अलावा शीर्ष 10 में मंधाना (643) और रोड्रिग्स (693) का भी नाम है।

रविचंद्रन अश्विन और ब्यूमोंट बने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ

अश्विन ने इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में 24 विकेट चटकाने के अलावा 176 रन का योगदान दिया

दुबई । भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की घरेलू सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए मंगलवार को आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) का महीने (फरवरी) का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अश्विन के ऑलराउंड खेल से भारतीय टीम टेस्ट सीरीज को 3-1 से जीत कर आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह पक्की की।

इंग्लैंड की टैमी ब्यूमोंट को महीने का सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। आईसीसी ने कहा कि अश्विन ने इस दौरान खेले गए तीन टेस्ट मैचों में 24 विकेट चटकाने के अलावा चेन्नई में दूसरी पारी में 106 रन का शानदार योगदान देकर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के रूख को मोड़ने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने इन मैचों में कुल 176 रन का योगदान दिया। उन्होंने अहमदाबाद में खेले गए तीसरे मैच में अपने टेस्ट विकेट की संख्या को 400 के पार पहुंचाया। अश्विन के साथ इस सूची में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट (333 रन और छह विकेट) और वेस्टइंडीज के पदार्पण कर रहे खिलाड़ी कायल मायर्स को नामांकन मिला था। मायर्स ने बांग्लादेश के साथ श्रृंखला के पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 210 रन बनाये थे जिससे उनकी टीम ने 395 रन के बड़े लक्ष्य को हासिल किया था। आईसीसी ने कहा कि इन मैचों में कुल 176 रन बनाने और 24 विकेट लेने के लिए अश्विन को पुरुष वर्ग में फरवरी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया है। टैमी ब्यूमोंट ने इस दौरान न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों में तीन अर्धशतकीय पारी खेल कुल 231 रन बनाए थे। आईसीसी वोटिंग अकादमी के सदस्य इयान बिशप ने अश्विन के प्रदर्शन पर कहा, अश्विन लगातार विकेट चटकाने में सफल रहे जिससे भारतीय टीम अहम श्रृंखला में अपना दबदबा बना सकी। दूसरे टेस्ट में उनकी शतकीय पारी काफी अहम थी क्योंकि वह ऐसे समय आयी थी जब इंग्लैंड की टीम मैच में वापसी कर रही थी। ब्यूमोंट के बारे में उन्होंने कहा, उनकी तीन अर्धशतकीय पारियों में से दो ने टीम को मैच जीतने में मदद की। हर महीने दिए जाने वाले इन पुरस्कारों के लिए नामांकित खिलाड़ियों में विजेताओं का चयन वोटिंग अकादमी करती है जिसमें क्रिकेट जगत के जाने माने सदस्यों को जगह मिली है। इसमे वरिष्ठ पत्रकार, पूर्व खिलाड़ी, प्रसारणकर्ता और आईसीसी हॉल आफ फेम के कुछ सदस्य शामिल हैं।

विलियम्सन चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला से बाहर

बाई कोहनी की चोट से उबरना और रिहैबिलिटेशन करना चाहते हैं

वेलिंगटन । क्रिकेट के सभी प्रारूपों में न्यूजीलैंड टीम के कप्तान केन विलियम्सन चोट के कारण बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली आगामी एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं।

विलियम्सन अपनी बाईं कोहनी की चोट से उबरना और रिहैबिलिटेशन करना चाहते हैं। विलियम्सन को गर्मियों की दूसरी छमाही से ही इस चोट से परेशान हो रही थी। न्यूजीलैंड क्रिकेट के चिकित्सा प्रबंधक डेल शैकेल ने पुष्टि की कि विलियम्सन पूरी गर्मी चोट से उबरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ, क्योंकि उन्हें आराम और पर्याप्त रिहैबिलिटेशन समय की जरूरत है।

शैकेल ने कहा, विलियम्सन इस गर्मी विभिन्न तरीकों से कोहनी की चोट से उबरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन दुर्भाग्यवश इसमें कोई सुधार नहीं हुआ है। निश्चित रूप से उनके पास तीनों प्रारूपों में खेलने की अत्यधिक क्षमता है और वह खेले भी हैं। यही वजह है कि उनका रिहैबिलिटेशन नहीं हो पा रहा है। हमारा मानना है कि चोट से पूरी तरह उबरने के लिए उन्हें अब आराम और रिहैबिलिटेशन की आवश्यकता है।

पीटरसन के शानदार अर्धशतक से जीता इंग्लैंड लीजेंड्स

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज में इंडिया लीजेंड्स को छह रन से हराया

रायपुर । इंडिया लीजेंड्स और इंग्लैंड लीजेंड्स में मंगलवार को एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के इस मुकाबले में दोनों टीमों ने आखिरी गेंद तक जीत के लिए दम लगाया। लेकिन अंत में बाजी इंग्लैंड लीजेंड्स की टीम ने अपने नाम की। केविन पीटरसन की अगुवाई में इंग्लैंड लीजेंड्स की टीम ने यह मुकाबला छह रनों से जीता।

मैच में इंडिया लीजेंड्स की तरफ से इरफान पठान और मनप्रीत गोनी ने आखिरी तक संघर्ष किया लेकिन आखिरी ओवर में 19 रन नहीं बना पाए और टीम को हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड लीजेंड्स ने मैन ऑफ द मैच रहे केविन पीटरसन 37 गेंदों पर 75 रन की शानदार पारी की मदद से निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 188 रन बनाए। जबाव में इंडिया लीजेंड्स सात विकेट पर 182 रन ही बना सका। इंडिया लीजेंड्स के लिए इरफान पठान 61 रन व मनप्रीत गोनी 35 रन ने शानदार पारी खेली। लेकिन अंत में टीम को जीत नहीं दिला सके।

केविन पीटरसन ने जड़ा सबसे तेज अर्धशतक

40 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज पीटरसन ने मंगलवार को इंडिया लीजेंड्स के खिलाफ धमाकेदार बल्लेबाजी कर सबका दिल जीत लिया। बेहतरीन लय में दिख रहे पीटरसन ने 37 गेंदों पर 75 रन की पारी खेली जिसमें 6 चौके और 5 छक्के शामिल थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 202.70 का रहा। टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन इस वर्ष होना है। पीटरसन ने 18 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया, जो रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज के सबसे तेज फिफ्टी है। पीटरसन के इस तूफान को रोका भारतीय पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने। इरफान की गेंद पर पीटरसन को विकेटकीपर नमन ओझा ने कैच किया।

चेल्सी की जीत के साथ चैंपियन्स लीग में क्वालीफाई करने की उम्मीदें कायम

एवर्टन को 2-0 से शिकस्त दी

लंदन। काई हावर्ट्ज ने आखिर में चेल्सी की तरफ से अपना प्रभाव छोड़ा जिससे इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) की इस टीम ने एवर्टन को 2-0 से हराकर चैंपियन्स लीग के लिये क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया।

जर्मनी के हावर्ट्ज बायर्न लेवरकुसेन से चेल्सी से जुड़ने के बाद प्रभावित नहीं कर पाये थे लेकिन उन्होंने सोमवार को स्टैमफोर्ड ब्रिज में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभायी। भाग्य उनके साथ नहीं था जो चेल्सी का पहला गोल उनके नाम पर दर्ज नहीं हुआ। उनका शानदार शॉट बेन गॉडफ्रे से लगकर गोल में गया और इसे आखिर में आत्मघाती गोल करार दिया गया। इसके बाद उन्होंने पेनल्टी हासिल की जिसे जोर्गिन्हो ने गमें बदला। इस जीत से चेल्सी के 28 मैचों में 50 अंक हो गए हैं और उसने अपना चौथा स्थान बरकरार रखा है जो कि चैंपियन्स लीग के लिये क्वालीफाई करने का अंतिम स्थान है। चेल्सी पांचवें स्थान पर काबिज वेस्ट हैम से दो अंक आगे है। वेस्ट हैम ने एक अन्य मैच में लीड्स को 2-0 से हराया। वेस्ट हैम की तरफ से जेसे लिंगार्ड ने 21वें और क्रेग डॉसन ने 28वें मिनट में गोल किए।

चोट के कारण बार्सीलोना के खिलाफ मुकाबला नहीं खेलेंगे नेमार

पेरिस। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के दिग्गज फुटबॉलर नेमार बार्सीलोना के खिलाफ चैम्पियंस लीग मुकाबला नहीं खेलेंगे क्योंकि वह चोट से पूरी तरह उबरने में नाकाम रहे है। क्लब ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पीएसजी की टीम बुधवार को 4-1 की बढ़त के साथ इस मुकाबले के दूसरे चरण के मैच के लिए मैदान में उतरेगी। नेमार 11 फरवरी को चोटिल होने बाद अपनी पूर्व टीम बार्सीलोना के खिलाफ इस लीग के पहले चरण का मैच भी नहीं खेल पाये थे। उन्होंने पिछले सप्ताह टीम के साथ हल्का अभ्यास शुरू किया है। पीएसजी ने कहा कि नेमार की स्थिति का अगले कुछ दिनों में फिर से आकलन किया जाएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले हार्दिक पंड्या ने किया अभ्यास

अहमदाबाद। हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की श्रृंखला से पहले नेट्स पर गेंदबाजी का काफी अभ्यास किया जिससे सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत को गेंदबाजी में अतिरिक्त विकल्प मिल जायेगा। हार्दिक ने अपने ट्विटर पेज पर अभ्यास का वीडियो साझा किया है। मुख्य कोच रवि शास्त्री, बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ और कप्तान विराट कोहली भी मौजूद थे। हार्दिक ने 2019 में कमर में स्ट्रेस फ्रेक्चर होने के बाद बहुत कम ही गेंदबाजी की है। ऑस्ट्रेलिया में वनडे मैचों में उन्हें गेंदबाजी करनी पड़ी थी जब वह अपने एक्शन में बदलाव कर रहे थे। पूर्व राष्ट्रीय चयनकर्ता और टेस्ट बल्लेबाज रहे देवांग गांधी ने उनके एक्शन में बदलाव को देखा। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि उसकी जंप छोटी हो गई है जिससे उसके एक्शन में बदलाव आया है। अनुभवी सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को पांच टी20 मैचों की श्रृंखला में संभवतः तभी मौका मिल सकता है जब केएल राहुल या रोहित शर्मा में से कोई चोटिल हो या किसी को आराम दिया जाये।

हाईलैंडर्स को हराकर एटीकेएमबी चौथी बार फाइनल में

फातोर्दा। एटीके मोहन बागान ने मंगलवार को जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में खेले गए सातवें सीजन के दूसरे सेमीफाइनल के दूसरे लेग में नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी को 2-1 से हरा दिया। इसी के साथ एटीकेएमबी 3-2 के एग्रीगेट स्कोर के साथ चौथी बार हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के फाइनल में पहुंचने में सफल रहा। दोनों टीमों के बीच का लेग-1 मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ था। फाइनल में एटीकेएमबी का सामना 13 मार्च को फातोर्दा में ही मुम्बई सिटी एफसी से होगा, जो पहली बार खिताब के लिए प्रयासरत है। मुम्बई ने रेगुलेशन टाइम और एक्स्ट्रा टाइम के गोलरहित निकलने के बाद पेनल्टी शूटआउट में एफसी गोवा को 6-5 से हराया था।

विश्व के 16 वें नंबर के खिलाड़ी को हराकर शरत प्री क्वार्टरफाइनल में

दोहा। भारत के शीर्ष खिलाड़ी अचंत शरत कमल विश्व के 16वें नंबर के खिलाड़ी जर्मनी के पैट्रिक फ्रांजिसका को मंगलवार को हराकर डब्लूटीटी स्टार कन्टेंडर टेबल टेनिस चैंपियनशिप के प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए जबकि जी सत्यन और मणिका बत्रा को दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा। विश्व के 32वें नंबर के खिलाड़ी शरत ने पहले राउंड में पुएर्तो रिको के ब्रायन एफानाडोर कोपराजित किया था और दूसरे दौर में उन्होंने जर्मनी के पैट्रिक फ्रांजिसका 12-10, 3-11, 11-7, 7-11, 11-9 से हराकर प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। नौ बार के सीनियर राष्ट्रीय चैंपियन शरत का अंतिम 16 में मिस्त्र के मिस्त्र के अहमद सालेह और जर्मनी के दिमित्रिज ओवचारोव के बीच मैच के विजेता से बुधवार को मुकाबला होगा। विश्व के 37वें नंबर के खिलाड़ी सत्यन को दूसरे दौर में पांचवें नंबर के खिलाड़ी जापान के तोमोकाजु हरिमोतो से 4-11, 5-11, 8-11 से हार का सामना करना पड़ा जबकि मणिका बत्रा तीसरे नंबर की खिलाड़ी जापान की मिमा इटो से 7-11, 6-11, 7-11 से हार गयीं इससे पहले क्वालीफाइंग राउंड में एंथनी अमलराज, हरमीत देसाई, सुतीर्था मुखर्जी और आइहिका मुखर्जी को हार का सामना करना पड़ा।

पृथ्वी के शतक से मुंबई विजय हजारे के सेमीफाइनल में

सौराष्ट्र को नौ विकेट से शिकस्त दी

नई दिल्ली। युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की नाबाद 185 रन की तूफानी पारी से मुंबई ने सौराष्ट्र को मंगलवार को एकतरफा अंदाज में पालम मैदान में नौ विकेट से पीट कर विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

सौराष्ट्र ने समर्थ व्यास के नाबाद 90 रन की बेहतरीन पारी से 50 ओवर में पांच विकेट पर 284 रन का मजबूत स्कोर बनाया, लेकिन पृथ्वी के जबरदस्त प्रदर्शन ने इस स्कोर को बौना साबित कर दिया। मुंबई ने 41.5 ओवर में एक विकेट पर 285 रन बना कर सेमीफाइनल का टिकट कटा लिया। पृथ्वी ने मात्र 123 गेंदों पर 21 चौकों और सात छक्कों की मदद से नाबाद 185 रन की जबरदस्त पारी खेली। पृथ्वी को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। पृथ्वी ने यशस्वी जायसवाल के साथ पहले विकेट के लिए 34.5 ओवर में 238 रन की बड़ी साझेदारी कर मुंबई की जीत का आधार रख दिया। उन्होंने फिर आदित्य तारे के साथ मिलकर मुंबई को जीत की मंजिल पर पहुंचा दिया। जायसवाल ने 104 गेंदों पर 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 75 रन बनाए, जबकि तारे 24 गेंदों में दो

चौकों के सहारे 20 रन बना कर नाबाद रहे।सौराष्ट्र का कोई भी गेंदबाज पृथ्वी पर असर नहीं छोड़ पाया। मुंबई की पारी का गिरा एकमात्र विकेट कप्तान जयदेव उनादकट के हिस्से में गया। उनादकट ने आठ ओवर में 52 रन देकर जायसवाल का विकेट लिया।इससे पहले सौराष्ट्र की पारी में समर्थ व्यास ने नाबाद 90 और चिराग जानी ने नाबाद 53 रन बनाए। व्यास ने 71 गेंदों में सात चौके और चार छक्के लगाए, जबकि जानी ने 38 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाया।

दिल्ली को लुढ़का कर उत्तर प्रदेश सेमीफाइनल में

विकेटकीपर उपेंद्र यादव (112) के बेहतरीन शतक और कप्तान करन शर्मा की 83 रन की शानदार पारी की बदौलत उत्तर प्रदेश ने दिल्ली को उसी के घर में 46 रन से शिकस्त देकर विजय हजारे ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उत्तर प्रदेश ने 50 ओवर में सात विकेट पर 280 रन का मजबूत स्कोर बनाया। दिल्ली की टीम शीर्ष क्रम की नाकामी के कारण दबाव में फंस गई और 48.1 ओवर में 234 रन ही बना सकी। दिल्ली की तरफ से ललित यादव ने 78 गेंदों में आठ चौकों की मदद से सर्वाधिक 61 रन बनाए। विकेटकीपर अनुज रावत ने 64 गेंदों में 47 रन और कप्तान प्रदीप सांगवान ने 19 गेंदों में दो चौकों और दो छक्कों के सहारे 26 रन बनाए। उप कप्तान हिम्मत सिंह ने 50 गेंदों में सात चौकों के सहारे 39 रन बनाए। कुलवंत खेजरोलिया ने नाबाद 11 रन बनाए, जबकि ध्रुव शौरी चार रन बना कर आउट हुए और हितेन दलाल का खाता नहीं खुला। उत्तर प्रदेश की तरफ से यश दयाल ने नौ ओवर में 53 रन देकर तीन विकेट और आकिब खान ने 60 रन देकर दो विकेट हासिल किए। अक्षदीप नाथ ने 29 रन पर दो विकेट लिए, जबकि शिवम मावी और शिवम शर्मा को 1-1 विकेट मिला। इससे पहले उत्तर प्रदेश की पारी में उपेंद्र यादव ने 101 गेंदों पर 11 चौकों और दो छक्कों की मदद से 112 रन बनाए।

सीनियर पुरुष और महिला भारोत्तोलन राष्ट्रीय चैंपियनशिप स्थगित

नई दिल्ली। भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएफ) ने तमिलनाडु में होने वाले 73वें पुरुष और 36वें महिला सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप को कोरोना वायरस के बढ़ते मामले को देखते हुए स्थगित करने का फैसला किया है। सीनियर चैंपियनशिप का आयोजन 12 से 18 मार्च तक तमिलनाडु के नागरकोइल में होना था। महासंघ के अधिकारियों ने बताया कि कोरोना के बढ़ते मामले को देखते हुए स्थगित किया गया है। महासंघ ने इसके साथ ही अप्रैल में मध्यप्रेदश में होने वाले यूथ एंड जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप को रद्द करने का फैसला किया है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को स्थगित करने का फैसला आईडब्ल्यूएफ कार्यकारी समिति ने ऑनलाइन बैठक में लिया। तमिलनाडु सरकार के महाराष्ट्र और केरल के लोगों के राज्य में प्रवेश के लिए कठिन नियम लगाने से दोनों चैंपियनशिप के नई तारीखों की घोषणा बाद में की जाएगी। सीनियर प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थल में बदलाव नहीं किया जाएगा।

बिना जानकारी झारखंड के सिद्धपीठ पहुंचे पूर्व भारतीय गेंदबाज जहीर खान, आधे घंटे तक मंदिर में की पूजा

रामगढ़ । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान मंगलवार को झारखंड में पूजा करते तस्वीर सामना आ रही है। बिना किसी जानकारी के पूर्व तेज गेंदबाज ने पत्नी बॉलीवुड अभिनेत्री सागारिका घाटके के साथ झारखंड के सिद्धपीठ छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचे। कोरोना काल में जहीर पूरे नियमों का पालन करते नजर आए और मास्क लगाकर ही मंदिर में माता के दर्शन करने पहुंचे। मंदिर पहुंचने के बाद मंदिर के पुजारी छोटू पंडा व असीम पंडा ने दोनों को पूजा-अर्चना कराई। जहीर खान पत्नी सागरिका के साथ मंगलवार को बिना किसी सूचना के झारखंड के सिद्धपीठ रजरप्पा स्थित छिन्नमस्तिके मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने करीब आधे घंटे तक मंदिर में पूजा- अर्चना की। इस दौरान पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि मां के दरबार में आकर अच्छा लगा। उन्होंने मां से मनोकामना भी मांगी है। उन्होंने कहा कि अगर उनकी मनोकामना पूरी हुई तो वे दोबारा आएंगे।

सुबह करीब 8.30 बजे जब जहीर खान व उनकी पत्नी सागरिका घाटगे मंदिर पहुंचे तो वहां मौजूद पुजारी व विभिन्न राज्यों से पूजा-अर्चना करने पहुंचे श्रद्धालुओं को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि उनके बीच देश के दो बड़े सेलिब्रिटी भी पूजा-अर्चना करने के लिए आए हैं। जहीर खान व सागरिका मुख्य मंदिर में प्रवेश कर करीब 15 मिनट तक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां भगवती की पूजा-अर्चना की। उन्हें स्थानीय पुजारी पोपेश पंडा (पप्पू बाबा) ने पूजा-अर्चना कराई। दो ने पूजा-अर्चना के बाद मंदिर में मां छिन्नमस्तिके की आरती भी उतारी। इसके बाद नारियल बलि दी और रक्षा सूत्र बंधवाए। इसके बाद बलि स्थल के बगल में पत्थर के टुकड़े को धागे में बांधकर मन्नतें मांगी। इस दौरान क्रिकेटर जहीर खान ने कहा कि मां छिन्नमस्तिके के बारे में सुना था। पत्नी को भी इच्छा थी कि एक बार मां रजरप्पा की दर्शन करूं। उन्होंने वहां मौजूद पुजारी छोटू पंडा, असीम पंडा, लोकेश पंडा व पप्पू पंडा से कहा कि यहां आकर बहुत ही अच्छा लगा। यहां का दृश्य भी रमणीक है।